MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 362 | ग्वालियर, गुरुवार 12, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

इजरायल में भारतीयों के लिए नौकरी का सुनहरा मौका, 15 हजार लोगों की डिमांड

इजराइल ने भारत से बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं में नौकरी तलाशने वालों को भर्ती करने के लिए संपर्क किया है. इजराइल को 10,000 कंस्ट्रक्शन कर्मियों और 5,000 स्वास्थ्य सेवा देखभाल कर्मियों की आवश्यकता है. आगामी हफ्तों में इजराइल की कंपनियों की टीम भारत का दौरा करेगी. कंस्ट्रक्टर वर्कर के लिए भर्ती कैंपेन का दूसरा दौर महाराष्ट्र में आयोजित किया जाएगा. इजराइल सरकार ने बॉर्डर अथॉरिटी के माध्यम से चार विशिष्ट भूमिकाओं के लिए कर्मियों की मांग की है- फ्रेमवर्क, आयरन वेल्डिंग, प्लास्टिंग और सिरेमिक टाइलिंग. इजराइली कंपनियां भारत का दौरा करके इन भूमिकाओं के लिए मानदंड और स्किल के आधार पर श्रमिकों का चयन करेंगी. इसके अतिरिक्त, इजराइल को अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए 5,000 देखभाल कर्मियों की आवश्यकता है. उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 10वीं कक्षा पास होना या किसी मान्यता प्राप्त भारतीय संस्थान से प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है, साथ ही कम-से-कम 990 घंटे की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग के साथ देखभाल कोर्स पूरा होना चाहिए. चयनित उम्मीदवारों को इजराइल द्वारा मेडिकल बीमा, खाना, रहने के लिए घर और 1.92 लाख रुपये प्रति महीने सैलरी प्रदान की जाएगी. इसके अतिरिक्त, उन्हें हर महीने 16,515 रुपये का बोनस भी दिया जाएगा. निर्माण श्रमिकों की भर्ती के पहले दौर में कुल 16,832 उम्मीदवारों ने ट्रेड स्किल टेस्ट दिया, जिसमें से 10,349 उम्मीदवारों को चुना गया. यह कैंपेन उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तेलंगाना में आयोजित किया गया था.

संजौली में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती, प्रदर्शनकारियों को रोकने का लगा आरोप

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में मस्जिद में हुए अवैध निर्माण के खिलाफ सुबह 11 बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई है. इससे पहले स्थानीय प्रशासन ने यहां धारा 163 लागू कर दी है. यहां पांच या पांच से ज्यादा लोगों के एकत्रित होने पर पाबंदी है. संजौली इलाके में 1000 से ज्यादा जवान सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभाले हुए हैं. जिला प्रशासन ने यहां किसी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है. बावजूद इसके हिंदू संगठनों के लोगों ने यहां जुड़ने का आह्वान किया है. हिंदू संगठन के नेता विजय शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार तानाशाही पर उतर आई है. शिमला से बाहर से यहां संजौली में एकत्रित होने के लिए आ रहे लोगों को रोका जा रहा है. पुलिस सनातन से डर गई है और तानाशाही पर उतर आई है. विजय शर्मा ने कहा कि किसी भी हालत में यहां धरना प्रदर्शन होगा. उन्होंने कहा कि यह इलाके के लोगों के भविष्य का सवाल है. आह्वान के मुताबिक यहां बड़ा प्रदर्शन होगा. जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप ने कहा कि संजौली में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- 2023 की धारा- 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिया गया है. इसके तहत जिला के संजौली क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रखने के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा. जिला शिमला पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने बताया कि यहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती रहेगी उन्होंने कहा कि पुलिस यहां कानून व्यवस्था सुनिश्चित करेगी. इस घटनाक्रम को लेकर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का कल बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि इस मामले को राजनीतिक रंग देना ठीक नहीं है. राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है. शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार सभी को हैं. राज्य में सभी समुदाय की रक्षा भी राज्य सरकार का दायित्व है.

आधी रात को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही गांव के 7 लोगों की मौके पर ही मौत

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक लॉरी, जिसमें काजू बीज की बोरियां भरी थीं, टी.नरसापुरम मंडल के बोर्रामपलेम गांव से पूर्वी गोदावरी जिले के ताड़ीमल्ला के लिए रवाना हुई थी। लॉरी जब अरिपतिदिब्बालु-चिन्नईगुडेम रोड पर देवरापल्ली मंडल के चिलकावरिपकालु के पास पहुंची, तो चालक का नियंत्रण खो गया और लॉरी रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस हादसे में लॉरी में सवार नौ कृषि मजदूरों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

अमेरिका से राहुल गांधी का आरक्षण पर बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर दिए अपने बयान पर सफाई दी है. उन्होंने कहा है कि वह आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं और कांग्रेस पार्टी और का लक्ष्य इसे 50 प्रतिशत तक ले जाने का है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, कल किसी ने मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। लेकिन मैं साफ कर दूं- मैं आरक्षण के खिलाफ नहीं हूं. हम आरक्षण को 50त्न की सीमा से आगे लेकर जाएंगे.दरअसल, राहुल गांधी ने अमेरिका के दौरे पर मंगलवार को जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में छात्रों से बात की थी. इस दौरान उनसे पूछा गया था कि भारत में आरक्षण कब तक जारी रहेगा. इस पर राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी जब सही समय होगा, जोकि अभी नहीं है. राहुल ने कहा था, जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखते हैं, तो आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे मिलते हैं, दलितों को 100 रुपये में से 5 रुपये मिलते हैं और ओबीसी को भी लगभग इतनी ही रकम मिलती है. असलियत यह है कि उन्हें भागीदारी नहीं मिल रही है. भारत के हर एक बिजनेस लीडर की सूची देखें. मुझे आदिवासी, दलित का नाम दिखाएं. मुझे ओबीसी का नाम दिखाएं. मुझे लगता है कि शीर्ष 200 में से एक ओबीसी है. वे भारत के 50 प्रतिशत हैं, लेकिन हम इस बीमारी का इलाज नहीं कर रहे हैं. हालांकि अब, आरक्षण एकमात्र साधन नहीं है. अन्य साधन भी हैं.

राहुल के इस बयान के बाद बहुजन समाज पार्टी के अलावा कुछ दलित संगठनों ने इसे मुद्दा बनाया और कांग्रेस पर जमकर हमला किया. बसपा सुप्रीमो मायावती ने इसे लेकर कहा था कि केंद्र में काफी लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और न ही देश में जातीय जनगणना. अब इनके इनकी आड़ में कांग्रेस सत्ता में आने के सपने देख रही है. इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी.

आधी रात को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही गांव के 7 लोगों की मौके पर ही मौत

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक लॉरी, जिसमें काजू बीज की बोरियां भरी थीं, टी.नरसापुरम मंडल के बोर्रामपलेम गांव से पूर्वी गोदावरी जिले के ताड़ीमल्ला के लिए रवाना हुई थी। लॉरी जब अरिपतिदिब्बालु-चिन्नईगुडेम रोड पर देवरापल्ली मंडल के चिलकावरिपकालु के पास पहुंची, तो चालक का नियंत्रण खो गया और लॉरी रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस हादसे में लॉरी में सवार नौ कृषि मजदूरों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी देवकुमार के नेतृत्व में पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मलाइका अरोड़ा के पिता ने की खुदकुशीः अरबाज खान परिवार के साथ घटनास्थल पहुंचे

नई दिल्ली। मनोरंजन जगत से बेहद दुखद खबर सामने आई है। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता, अनिल अरोड़ा, का 11 सितंबर को निधन हो गया है। घटना सुबह 9 बजे की है। अनिल ने बांद्रा स्थित बिल्डिंग आशा मैनार की सातवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी की। कहा जा रहा है कि अनिल अरोड़ा पिछले कुछ समय से बीमार थे। पुलिस को प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शव को बाबा अस्पताल में रखा गया है। खबर मिलते ही मलाइका घटना की खबर फैलते ही मलाइका अरोड़ा के पूर्व पति, अरबाज खान परिवार के साथ उनके घर पहुंच चुके हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, अनिल अरोड़ा ने छठी मंजिल की गैलरी से कूदकर अपनी जान दी है। बांद्रा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि अनिल अरोड़ा पिछले कुछ दिनों से बीमार थे।

देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े रहना राहुल गांधी और कांग्रेस की आदत है : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा है कि राहुल गांधी की भेदभाव फैलाने की बातें उनकी विभाजनकारी सोच को दिखाती हैं। शाह का कहना है कि राहुल गांधी की टिप्पणियों में भाषा, क्षेत्र और धर्म के आधार पर भेदभाव की बातें शामिल हैं, जो देश को विभाजित करने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। शाह ने यह भी कहा कि राहुल गांधी का ऐसा रवैया देश की एकता और सामंजस्य को खतरे में डालता है। गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। उन्होंने राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है कि वे देशविरोधी बातें करते हैं और देश को तोड़ने वाली ताकतों का समर्थन करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर में छ्व्यहृष्ट (जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस) के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन कर रहे हैं और विदेशी मंचों पर भारत के खिलाफ बातें कर रहे हैं। शाह का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से राहुल गांधी ने हमेशा देश की सुरक्षा और भावना को चोट पहुँचाई है। अमित शाह ने राहुल गांधी की विभाजनकारी सोच की आलोचना करते हुए कहा कि वे भाषा, क्षेत्र और धर्म में भेदभाव की बात करते हैं। इसके साथ ही, शाह ने राहुल गांधी की आरक्षण के खिलाफ टिप्पणियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आरक्षण को समाप्त करने की बात कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से उजागर किया है। शाह का कहना है कि राहुल गांधी के मन में जो भी विचार हैं, वे किसी न किसी रूप में बाहर आ ही जाते हैं।

भूकंप के तेज झटकों से हिली दिल्ली-एनसीआर, डरे सहमे लोग अपने घरों से निकले बाहर

दिल्ली। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.8 दर्ज की गई है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग अपने घरों और कर्मचारी अपने-अपने ऑफिसों से बाहर निकल आए। गनीमत रही कि इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में था। भूकंप तब आता है जब धरती के अंदर मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, रगड़ती हैं, एक-दूसरे के ऊपर चढ़ जाती हैं, या फिर एक-दूसरे से दूर हो जाती हैं। धरती के अंदर कुल सात टेक्टोनिक प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। इन प्लेट्स के बीच होने वाली हलचल के कारण जमीन हिलती है, जिसे हम भूकंप कहते हैं। भूकंप की तीव्रता को मापने के लिए रिक्टर स्केल का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल भी कहा जाता है। यह स्केल 1 से 9 तक होती है। अगर किसी जगह पर भूकंप की तीव्रता 1 है, तो इसका मतलब है कि वहां कम ऊर्जा निकल रही है, जबकि 9 की तीव्रता का मतलब है कि बहुत ज्यादा ऊर्जा निकल रही है, जो बहुत खतरनाक और विनाशकारी हो सकती है। भूकंप का केंद्र, जिसे एपिसेंटर कहते हैं, उसी जगह को कहते हैं जहां से भूकंप की ऊर्जा निकलती है। भूकंप के झटके उस जगह से दूर जाते-जाते कमजोर हो जाते हैं। अगर रिक्टर स्केल पर किसी भूकंप की तीव्रता 7 होती है, तो उसके आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में तेज झटके महसूस होते हैं।

सूरत में गणेश उत्सव के दौरान पंडाल में पथराव लोगों ने घेरा पुलिस थाना, 6 आरोपी गिरफ्तार

गुजरात समेत देशभर में इस समय गणेश उत्सव की धूम मची हुई है. ऐसे में गुजरात के सूरत में गणेश उत्सव के दौरान एक बड़ी घटना सामने आई है. यहां सैयदपुरा इलाके में असामाजिक तत्वों द्वारा गणपति पंडाल पर पथराव की घटना से तनाव का माहौल हो गया. इसके बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस चौकी का घेराव कर दिया. जानकारी के मुताबिक आक्रोशित लोगों ने सैयदपुरा पुलिस चौकी का घेराव किया. इस घटना के बाद विधायक कांति बलर भी मौके पर पहुंचे. यहां उन्होंने कहा कि आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा और आश्वासन दिया है कि पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी. पुलिस ने बताया कि इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है. उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हंगामे के दौरान जहां जरूरत थी, वहां लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया. वहीं गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सांघवी ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य 27 लोग हिरासत में हैं. फिलहाल मामले की जांच जारी है. सूरत के सभी इलाकों में पुलिस तैनात है. जो लोग शांति भंग करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. हर्ष सांघवी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, ञ्जसीसीटीवी, वीडियो विजुअल्स, ड्रोन विजुअल्स और अन्य तकनीकी निगरानी कार्य अभी भी जारी है. सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. हमारी टीम पत्थरबाजों की पहचान करने और उन्हें सजा दिलाने के लिए पूरी रात काम कर रही थी और अभी भी काम कर रही है. सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि कुछ लोगों ने गणेश पंडाल पर पथराव किया, जिसके बाद झड़प हो गई. पुलिस ने तुरंत उनको वहां से हटा दिया. इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है, जहां जरूरत थी, वहां लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया.

भिखारियों की दहशत! भीख न मिलने पर किसी को घोंपा चाकू तो किसी का चुराया बच्चा

नई दिल्ली। देश के कुछ शहरों में हाल ही में भीख न मिलने पर गुस्साए भिखारियों ने आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। कहीं भीख न मिलने पर चाकू घोंप दिया तो कहीं तोड़फोड़ कर दी। इतना ही नहीं एक महिला का तो बच्चा ही चोरी कर लिया। भिखारियों की इन आपराधिक गतिविधियों ने लोगों को चिंतित कर दिया है। लोगों में भिखारियों के प्रति डर और असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एक भिखारी ने भीख न मिलने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना 7 सितंबर को हुई। भिखारी ने पहले युवक को गालियां दीं और फिर चाकू से हमला किया। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने भिखारी, जो कि 45 वर्षीय नईम है और दिव्यांग भी है, को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक सब्जी काटने वाला चाकू भी बरामद हुआ है। घटना के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए हैं।

संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र में एक महिला भिखारी ने भीख नहीं मिलने पर एक 4 वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। संजय नामक एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि वह सोमवार की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकल गए थे। उनकी पत्नी और दो बच्चे घर पर थे। जब अन्य परिजन पशुओं के लिए चारा लेने जंगल गए, तब महिला भिखारी ने बच्चे को उठाकर ले जाने का प्रयास किया।

आधी रात को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही गांव के 7 लोगों की मौके पर ही मौत

आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक लॉरी, जिसमें काजू बीज की बोरियां भरी थीं, टी.नरसापुरम मंडल के बोर्रामपलेम गांव से पूर्वी गोदावरी जिले के ताड़ीमल्ला के लिए रवाना हुई थी। लॉरी जब अरिपतिदिब्बालु-चिन्नईगुडेम रोड पर देवरापल्ली मंडल के चिलकावरिपकालु के पास पहुंची, तो चालक का नियंत्रण खो गया और लॉरी रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस हादसे में लॉरी में सवार नौ कृषि मजदूरों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी देवकुमार के नेतृत्व में पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों में देवबट्टुला बूरैया, तम्मीरेड्डी सत्यनारायण, पी. चिनमुसलाया, कट्टव कृष्णा, कट्टव सत्तीपांडु, ताड़ी कृष्णा और कटकोटेश्वर शामिल हैं।

बिहार के गया में वंदे भारत ट्रेन पर हुआ पथराव, खिड़की के शीशे टूटे

गया। देशभर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ताजा मामला बिहार के गया जिले से सामने आया है, जहां मंगलवार को टाटा से पटना चलने वाली वंदे भारत ट्रायल ट्रेन पर कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पत्थरबाजी की गई। पत्थरबाजी के कारण ट्रेन के कोच की खिड़की के शीशे टूट गए। जानकारी के अनुसार, घटना धनबाद रेल मंडल अंतर्गत बंधुआ-टनकुप्पा स्टेशन के बीच हुई है। बताया जा रहा है कि गया में टाटा से पटना चलने वाली वंदे भारत ट्रायल ट्रेन पर बीते मंगलवार को कोडरमा रेल खंड के बीच शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी कर खि?की का शीशा तोड़ डाला। रेलवे के एक अधिकारी ने घटना की

पुष्टि करते हुए बताया है कि बीते मंगलवार को टाटा से चलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन (गोमो) होते हुए गया आ रही थी। इसी बीच बंधुआ और टनकुप्पा स्टेशन के बीच कुछ शरारती तत्वों ने ट्रेन पर पत्थरबाजी कर दी। जिसमें इंजन से सटे दूसरे कोच के सीट नंबर 4 की खिड़की का शीशा टूट गया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी मामले की छानबीन में जुट गए हैं। गौरतलब है कि 15 सितंबर को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर पीएम नरेंद्र मोदी एक साथ कई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखायेंगे।

संजौली में मस्जिद विवाद को लेकर हिंदू संगठनों का उग्र प्रदर्शन

शिमला। संजौली में अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर जारी हिंदू संगठनों का प्रदर्शन उग्र रूप धारण कर चुका है। ढली टनल के पास पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने में नाकाम रही। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़कर भीड़ नारेबाजी करते हुए संजौली की तरफ बढ़ी। यहां भी पुलिस ने बैरिकेडिंग की हुई थी लेकिन प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया, जिस पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के दौरान कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। यही नहीं, पुलिस की ओर से प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का प्रयोग भी किया गया। संजौली में हिंदू संगठनों के लोगों का प्रदर्शन लगातार जारी है, जिससे माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

सपा विधायक जाह्दि बेग की मुश्किलें बढ़ीं, घर से मिली नाबालिग

नई दिल्ली। यूपी के भदोही में समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग की मुश्किलें बढ़ती जा रही है. श्रम प्रवर्तन विभाग और पुलिस की टीम ने नायब तहसीलदार के साथ उनके आवास से बाल श्रम में लगी एक नाबालिग लड़की को छापा मार कर बरामद किया है. इससे पहले सोमवार को सपा विधायक के घर से घरेलू सहायिका नाबालिग लड़की का संदिग्ध हालात में शव बरामद हुआ था. जिसके बाद हड़कंप मच गया है. जाहिद बेग भदोही विधानसभा सीट से दो बार के विधायक हैं. सोमवार को उनके आवास पर 7 साल से घरेलू काम करने वाली एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का शव फंदे से लटकता मिला था. जिसके बाद मंगलवार को प्रशासन की टीम ने सपा विधायक के घर छापेमारी की और देर शाम घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली एक किशोरी को बरामद किया है. जांच के दौरान पुलिस अधीक्षक

डॉ मीनाक्षी कात्यायन को सपा विधायक के घर पर एक और नाबालिग बच्ची मिली थी, उसने बताया कि वो विधायक के घर में पिछले आठ सालों से घरेलू काम कर रही है. जिसके बाद श्रम विभाग, नायब तहसीलदार और पुलिस की संयुक्त टीम ने दलबल के साथ बिना शोर शराबे के नाबालिग को आजाद करा लिया और उसे शहर कोतवाली ले गए है. इसके बाद बच्ची को कलेक्ट्रेट स्थित वन स्टॉप सेंटर में महिला पुलिस कर्मी के साथ सुपुर्द कर दिया गया है. बताया जा है कि नाबालिग किशोरी लंबे समय से सपा विधायक के आवास पर घरेलू कार्य कर रही थी. बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पीसी उपाध्याय ने कहा की पुलिस और प्रशासन की टीम के द्वारा नाबालिग नौकरानी का मेडिकल कराया गया है. बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने बताया की बरामद की गई किशोरी को बाल कल्याण समिति के समक्ष आधी रात में पेश किया गया है और संबंधित मामले में अन्य विधिक कार्य के शेष होने के चलते एक दिन के लिए वन स्टॉप सेंटर में भेज दिया गया है. सपा विधायक जाहिद बेग के घर से बरामद बाल मजदूर के बरामदगी के बाबत श्रम विभाग और पुलिस प्रशासन से ऑन कैमरा बात करने की कोशिश की गई उन्होंने इनकार कर दिया. इस हाई प्रोफाइल मामले में पुलिस की जाँच भी काफी धीमी गति से चल रही है. जिसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं.

बुढ़वा मंगल को सुप्रसिद्ध दंदरौआ धाम में होगा विशाल मेले का आयोजन

श्री श्री 1008 महंत रामदास जी महाराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड - जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम पर 17 सितम्बर को बुढ़वा मंगल के पावन अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर रुद्राभिषेक, सुंदरकांड का पाठ, फूल बंगला एवं विशाल भण्डारा आयोजित होगा। बुढ़वा मंगल के दिन मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली के अलावा आसपास के जिलों सहित उत्तर प्रदेश के औरैया, इटावा, आगरा, मैनपुरी, एटा, फिरोजाबाद, कानपुर, प्रयागराज सहित कई जिलों से लाखों श्रद्धालु दंदरौआ धाम में डॉक्टर हनुमान जी के दर्शन करने आते हैं। बुधवार को महंत महामण्डलेश्वर रामदास जी महाराज ने दंदरौआ धाम परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए दंदरौआ धाम के हनुमान जी महाराज विशेष रूप से दो रूप में विराजमान हैं एक तो डॉक्टर हनुमान के रूप में है और दूसरे अशोक वाटिका में हनुमान जी ने माता सीता से सखी भेष में मिलने पहुंचे थे उन्होंने बताया कि

श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन एवं प्रशासन द्वारा दर्शनों के लिए विशेष सुविधा की गई है जिसमें जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी की विशेष भूमिका है। श्रद्धालुओं को बड़ी बड़ी एलईडी के माध्यम से दर्शन कराए जाएंगे।

महाराज जी ने बुढ़वा मंगल का महत्व समझाया उन्होंने बताया कि हनुमान जी बुढ़वा मंगल के दिन माता सीता जी की खोज कर लंका को जलाकर वापस लौट कर भगवान श्रीराम को वहां के समाचार सुनाए थे जिससे भगवान श्रीराम ने प्रसन्न होकर हनुमानजी को तिलक लगाकर - पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया इसलिए बुढ़वा मंगल के दिन हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि जैसे सभी 24 एकादशी का फल के बराबर में एक भीमसेन एकादशी का होता है। उसी प्रकार पूरे वर्ष के मंगलवारों का फल बुढ़वा मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा एवं दर्शन करने का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष यह मंगलवारड़ 17 सितम्बर को पड़ रहा है। धाम के प्रवक्ता जलज त्रिपाठी ने बताया कि बुढ़वा मंगल के दिन जिले के अलावा बाहर से पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भिण्ड से लेकर दंदरौआ धाम तक जगह-जगह जलपान एवं बालभोग की व्यवस्था भक्तों द्वारा प्रति वर्ष की जाती है।।

विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर जिला चिकित्सालय मुरैना में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो चीफ मुरैना
दैनिक पुष्पांजली टुडे

मुरैना। जिला चिकित्सालय मुरैना में आज विश्व आत्महत्या निवारण दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन. एस. उपाध्याय और सिविल सर्जन डॉ. एन. एस. चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में साइकोलोजिस्ट श्रीमती संतोष माहोर ने आत्महत्या के प्रमुख कारणों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ÷डिप्रेशन÷ एक गंभीर मानसिक रोग है जो आजकल अधिक देखने को मिल रहा है। यह समस्या आत्महत्या के विचारों को जन्म दे सकती है, इसलिए इससे प्रभावित व्यक्ति को तुरंत उचित चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है। उन्होंने मानसिक रोगियों की देखभाल, उनके विचारों को समझने और उन्हें धार्मिक गतिविधियों जैसे योग, ध्यान और पूजा में शामिल करने के महत्व पर बल दिया।

श्रीमती माहोर ने आत्महत्या की रोकथाम के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी और लोगों से अपील की कि वे मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे या आत्महत्या के विचार प्रकट करता हो, तो उसे तुरंत मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए चिकित्सक से संपर्क करवाएं। कार्यक्रम के दौरान हेल्पलाइन नंबर 7014616 और 1800-891-4416 के माध्यम से 24×7 मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करने की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती नीलू चौहान और रीजनिया मेंटल हेल्थ ऑफिसर ने भी मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की रोकथाम पर अपने विचार व्यक्त किए। जिला चिकित्सालय मुरैना के सिविल सर्जन ने कार्यक्रम के अंत में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है ।

मुख्य सड़क पर तीन दिन से खुदा डला सात फीट गहरा गड्डा

नगर परिषद ने आदेश की उड़ाई धज्जियां, खुला छोड़ा गड्डा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर की मुख्य सड़क भिंड भांडेर पर तीन दिन से सात फीट गहरा गड्डा तीन दिन से खुला पड़ा हुआ है।जिससे लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों के अनुसार तीन दिन पहले नगर परिषद की जेसीवी मशीन गड्ढे को खोद कर चली गई है तब से लेकर आज तक इस गड्ढे पर कोई कार्य नही किया गया है।इस गड्ढे में रात के समय कोई भी बाहन या पशु दुर्घटना का शिकार हो सकता है।जबकि शासन के आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति अपने बोर के गड्ढे,अंधे कुएं को खुला नही छोड़ सकता है।पर दबोह नगर परिषद इस आदेश को हवा में उड़ाते हुए सबसे व्यस्तम भिंड भांडेर रोड पर ही सात फुट गहरा गड्डा खोद कर डाल दिया है।बताया जा रहा है कि पानी सप्लाई की कोई लाइन टूटी हुई थी उसी को ठीक करने के लिए यह गड्डा खोदा गया था पर तीन दिन बाद भी लाइन ठीक नही की गई और न ही गड्ढे को बन्द किया गया।जिसके चकते गड्ढे के आसपास दुकानदारो को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।वही गड्ढे के कारण उनकी दुकानों का भी नुकसान हो सकता है।इससे अंदाजा लगाया जा सकता है दबोह नगर परिषद नगर के प्रति कितना अपना दायित्व के प्रति कितनी सजग है।गौरतलब बात यह है कि इस समय नगर की मुख्य सड़कों पर गौवंश रात के समय विचरण करता है और पानी पीने के लिए यदि पशु उस गड्ढे तक जाता है तो निश्चित ही वह गड्ढे में गिर सकता है।पर नगर परिषद को इससे कोई लेना देना नही है।बता दे कि इस समय दबोह के हालत बद से बतर हो गए है।

आनंद विभाग भिण्ड द्वारा विश्व आत्महत्या निषेध दिवस मनाया गया

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला समन्वयक आनंद विभाग भिण्ड संजय पंकज ने बताया कि आजकल के माहौल को देखते हुए कितने आपाधापी के बीच मनुष्य अपने काम के प्रति थोड़ा सा चिंतित हो जाता है और वह अवसाद की ओर जाने लगता है,तो उसे आत्महत्या करने जैसा प्रतीत कि अब इस दुनिया में कुछ नहीं बचा आप तो मरना ही ठीक है,इस घटना को समझाते हुए छात्र-छात्राओं को संजय सिंह द्वारा बताया गया की आत्महत्या निषेध दिवस पूरे संपूर्ण भारत में नहीं विश्व में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की दर इतनी तेजी से बढ़ रही है,उसको कम करने के लिए हम सबको आनंदमय जीवन और आनंद ताली बजा दे तो बड़ा आनंद आ जाता है,आनंद ताली बजाते ही अंदर की खुशी अपने आप जागृत होती है, जितने टेंशन होते हैं,उतने प्रकार के टेंशन दूर हो जाते हैं,इन्हीं टेंशनों को दूर करने के लिए आनंद ताली अवश्य बजे इसी तारतम में आनंदक चंद्रकांत बौहरे के द्वारा रूप रेखा रखी गई। उन्होंने बोलते हुए कहा कि मनुष्य को जीवन कभी भी हिम्मत नहीं हारना चाहिए,जीवन में सुख और दु:ख आते जाते रहते हैं । व्यक्ति आत्म हत्या जैसी मनोवृत्ति

को परस्पर संपर्क और संवाद के माध्यम से दूर कर सकता हैं । प्रतिवर्ष 10 सितंबर को विश्व आत्म हत्या निषेध दिवस मनाया जाता है और इसकी शुरुआत वर्ष 2003 में संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई डब्ल्यू .एच.ओ द्वारा की गई,कि अपने जीवन को उमंग की तरह जिए किसी भी तरीके से मानसिक टेंशन नहीं लेना चाहिए और अगर मानसिक टेंशन होता है,तो तुरंत आनंद ताली बजा दी जाए इसी तारतम में आनंदक ने कहा की आनंद ताली बजाने से अंदर की ऊर्जा आनंदमय हो जाती है और हमें एक मानसिक तनाव से दूर करती है और आत्महत्या के लिए जो हम सोचते हैं,उसको कुछ पल के लिए दूर किया जा सकता है और निश्चित ही वह पल निकल गया,तो आत्महत्या से दूर हो जाएगा ऑस्टिन इंटरनेशनल स्कूल संचालक शैलेंद्र शर्मा द्वारा बताया गया कि इन सबको सुनने के बाद अगर हम पालन करते अगर फिर भी आत्महत्या करने का मन में विचार आते है,तो वह अपने दोस्तों सहपाठियों और परिवार में एवं अभिन्न मित्र वितरित की गई आत्महत्या निषेध दिवस का स्थान ऑस्टिन इंटरनेशनल स्कूल में किया गया । स्टाफ के साथ-साथ पालक भी मौजूद रहे,शानदार कार्यशाला का आयोजन बताया गया कि इन सबको सुनने के बाद अगर हम पालन करते है,तो जीवन आनन्दमय हो जाएगा। कार्यक्रम में आनंदक गिरजा शंकर शर्मा एवं नीरज उपस्थित हुए,अंत में उपस्थित लोगों का आभार संचालक शैलेंद्र शर्मा द्वारा किया गया ।

भीकनगांव कार्यशाला में पॉक्सो एक्ट के प्रति बच्चों को किया जागरूक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीकनगांव में 11 सितंबर को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 पॉक्सो एक्ट की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान परियोजना अधिकारी श्री राजेश केरावत ने नाबालिग बच्चों को बताया कि लैगिंक दुर्व्यवहार हुआ हो पॉक्सों एक्ट इससे सुरक्षा प्रदान करता है। इस एक्ट से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष अदालत बनाकर उन्हें त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाती हैं। बच्चों और उनके परिवार की पहचान की गरिमा को बनाए रखता है और आरोपी को दोषी सिद्ध होने पर कड़ी से कड़ी सजा इस कानून के तहत दी जाती हैं। पर्यवेक्षक भारती शारदे द्वारा बालिकाओं को बताया गया कि किसी व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से छूना, बच्चों को गंदी वीडियो, फोटो या फिल्म दिखाना, ये सब गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। जिसके लिए हमें चुप नहीं रहना है अपने अभिभावकों को बताना है और रिपोर्ट दर्ज करवाना चाहिए। ब्लॉक कॉर्डिनेटर प्रवीण नायक द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज मे प्रवेश हेतु कॉउंसलिंग प्रारंभ

10वी और 12वी पास विधार्थियो के लिए तकनीकी क्षेत्र मे रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य बीडी पुरोहित ने बताया कि शहर के मध्य में स्थित एक मात्र शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज भिण्ड में अंतिम चरण हेतु कॉलेज लेवल काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश हेतु छात्र/छात्राओं को अंतिम अवसर प्रदान किए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि कॉलेज में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्सेज यथा कक्षा 12वीं पास के लिए पाठ्यक्रम क्रमशः मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट तथा कक्षा 10वीं पास के लिए सिविल इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस संचालित हो रहे है। दिव्यांग, गरीब एवं विशेष वर्गों के छात्र/छात्राओं को फीस से पूरी छूट शासन के नियमानुसार तथा किताबे एवं स्टेशनरी भी मिलती है। कॉलेज के प्राचार्य बी.डी. पुरोहित ने बताया है कि उपरोक्त सभी कोर्सेज में वर्तमान में कुछ सीटें रिक्त है। अतः छात्र/छात्राओं को सलाह दी जाती हैं कि तकनीकी क्षेत्र में अच्छे कैरियर के लिए संबंधित कोर्स में प्रवेश हेतु एमपी ऑनलाईन के माध्यम से अंतिम चरण हेतु 11 सितम्बर 2024 से 15 सितम्बर 2024 तक रजिस्ट्रेशन कराकर 15 सितम्बर 2024 को कॉलेज में सुबह 10.30 से उपस्थित होवें। प्रवेश नियम एवं अर्हता बेवसाइट पर उपलब्ध है।

बाबा रामदेव का भादवा मेला में उमड़ा जन सैलाब

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

कोयम्बटूरस्कॉटन सिटी के नाम से विख्यात कोयम्बटूर सिटी के एडीयार स्ट्रीट के बीचों बीच स्थित श्री बाबा रामदेव सेवा संघ रामदेव मंदिर भवन में अठारहवाँ भादवा मेला महोत्सव बड़े धूमधाम से व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है,जन जन के आराध्य बाबा रामदेव जी की रोजाना पूजा अर्चना के बाद आरती से कार्यक्रम की शुरुआत होती है,दक्षिण भारत का प्रसिद्ध ओर उच्च शिखर का बना मंदिर बाबा रामदेव का मेला हर साल की भांति इस साल भी बड़े धूमधाम से दिनांक 5 सितंबर गुरुवार से 12 सितंबर 2024 गुरुवार तक चलेगा,श्री बाबा रामदेव सेवा संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह राठौड़ ने बताया कि रोजाना महिलाओं के लिए समय शाम 6.30 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया व पुरुषों के लिए रात्रि 9.15 बजे से 11.30 बजे रात्रि तक रखा गया है।संघ के सचिव पदमसिंह भायल ने कहा इस कार्यक्रम में भजन मंडली एवं संगीतकार राजस्थान के जाने माने कलाकारो द्वारा रोजाना अलग अलग कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दीं जा रही है,10 सितम्बर को भजनों के सम्राट,राष्ट्र प्रेमी प्रकाश माली द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुतियां के दौरान महिलाओं द्वारा नृत्य और बाबा रामदेव की जय जयकारे से हॉल गूंज उठा,प्रकाश माली ने कहा कि दो फ्लोर में भक्तों की भीड़ देखकर आज भक्तों का अद्भुत नजारा देख रहा हूँ।संवाददाता दुर्गाराम सीरवी ने कहा कि रोजाना बाबा के प्रांगण में राजस्थान के छतीस कौम के बच्चे,महिलाएं पुरुष प्रांगण में भजनों के समय नृत्य का आनंद लेना,कलाकारों ने सभी भक्तों का मनमोह लिया,रोजाना महानुभाव द्वारा सभी भक्तों को प्रसाद के रूप में प्रभावना भी दी जा

रही है,मंच संचालन मानसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 10 व 12 वीं बोर्ड परीक्षा 2023-24 में जो विद्यार्थियों ने 85त व अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को मंदिर परिसर में 11 सितंबर बुधवार को सम्मानित किया जाएगा,अध्यक्ष ने कहा कि बाबा रामदेव की महा प्रसादी भक्तों के लिए 15 सितंबर रविवार को बुरिअल ग्राउंड में होगी।उपस्थित समस्त कार्यकारिणी सदस्य गण।

बीडीडीएस टीम के द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर की गई चेकिंग

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिला खरगोन मे आम जन की सुरक्षा व आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा एवं दस्ते को सघन सर्चिंग अभियान चालकर सार्वजनिक व संवेदनशील स्थानों एवं संदिग्ड़ध वाहनों पर एंटी सेबोटाड़ चैकिंग कराई जाने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे

आगामी त्योहारों मे बाजारों मे खरीदारी हेतु आम जन की चहल पहल बड़ जाने से जिले खरगोन के दस्ते के द्वारा सघन सर्चिंग अभियान के चलाकर शहर मे स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार एवं विशाल मेगा मार्ट की की एंटीसेबोटॉज चैकिंग बीडीडीएस टीम के द्वारा आधुनिक उपकरणों द्वारा चेकिंग की गई व इनकी पार्किंग मे खड़े वाहनों आदि को भी चेक किया गया है । कार्यवाही के दौरान बीडीडीएस प्रभारी निरीक्षक संजय मोरी ने दोनों मॉल के मैनेजर से चर्चा कर मॉल एवं मॉल मे आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा के बारे मे जानकारी भी ली गई । उक्त की गई कार्यवाही मे बीडीडीएस प्रभारी निरीक्षक संजय मोरी के नेतृत्व मे बीडीडीएस टीम से आर ब्रजेश यादव, आर. गिरजा सागर बरुआ, आर. शिवराज गुर्जर आर. राहुल चौधरी, आर. सुरेश यादव, प्र.आर.अफजल हुसैन (वाहन चालक), प्र.आर. 451 डॉग मास्ड़टर बिसन सिहं सिसोदिया, डॉग मेजर के द्वारा की गई।

सितंबर से प्रारंभ होगी कपास की नीलामी

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कृषि उपज मण्डी खरगोन में नवीन कपास सीजन में कपास की खरीदी का कार्य 16 सितंबर से प्रारंभ किया जाएगा। इस दिन से मण्डी में कपास नीलामी का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। मण्डी सचिव श्रीमती शर्मिला निनामा ने समस्त किसानों भाईयों से आग्रह किया है कि वे सीजन के शुभ मुहुर्त के अवसर पर कपास नीलामी के लिए मण्डी प्रांगण में लाए।

सितंबर को शांति समिति की बैठक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन नगर में इस माह एवं आगामी माह में आने वाले पर्व एवं त्यौहारों के संबंध में शांति, कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए 12 सितंबर को दोपहर 01 बजे नवीन कलेक्ट्रेट सभागृह में शांति समिति की बैठक आयोजित होगी।

खरगोन जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी

पुल-पुलियो, रपटों पर पानी होने पर पार नहीं करने की अपील तय

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मौसम विभाग द्वारा खरगोन जिले में अलग-अलग स्थानों पर 12 सितंबर की प्रातः 8:30 बजे तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग द्वारा बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खण्डवा, खरगोन, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर, रीवा, सतना, मैहर, अनुपपुर, उमरिया, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पांर्ढुना, सिवनी एवं मण्डला जिलों के कुछ स्थानों पर 12 सितंबर की प्रातः 08:30 बजे तक 65 से 116 मिली मीटर वर्षा होने की संभावना बताई गई है। भारी वर्षा की संभावना के कारण नदी नालों में बाढ़ आ सकती है। जिसके कारण नदी-नालों के पुल-पुलियो व रपटों पर पानी बड़ सकता है। अतः ऐसी स्थिति में आमजन से अपील की गई है कि पुल-पुलियों व रपटों पर पानी होने पर उसे कतई पार न करें और अपनी जान जोखिम में न डाले।

संपादकीय

पीओके के नागरिकों का आह्वान

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) के निवासियों का आह्वान करते हुए कहा है कि चूंकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है इसलिए आप भारत का हिस्सा बनें। गौर करें तो रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का यह आह्वान ढेर सारे निहितार्थों को समेटे हुए है। किसी से छिपा नहीं है कि यहां के लोगों के हालात गुलामों से भी बदतर है और वे भारत में विलय को तैयार हैं। पीओके के लोगों का कहना भी है कि वे वास्तविक रुप से वे भारत के ही हिस्सा हैं लेकिन पाकिस्तान ने जबरन उनपर कब्जा कर रखा है। देखा भी जा रहा है कि पीओके के नागरिक पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से ऊब चुके हैं और अब बगावत के लिए तैयार हैं। उनका हौसला इसलिए भी बुलंद है कि गुलाम कश्मीर को वापस लेने के लिए भारत मन बना लिया है। याद होगा अभी 2022 में भारतीय सेना के प्रमुख रह चुके जनरल मनोज मुकुंद नरवाने ने कहा था कि अगर संसद आदेश देगी तो पीओके पर हमारा कब्जा होगा। देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भी संसद में कहा जा चुका है कि पीओके भारत का हिस्सा है और वह इसे लेकर रहेंगे। उधर, पीओके के नागरिक पाकिस्तानी सेना के बढ़ते अत्याचार और दमन के खिलाफ "करो या मरो" के लिए कमर कस लिए हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार पाकिस्तानी फौजियों कश्मीर छोड़ों का आंदोलन चलाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ता जेनेवा में पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मानें तो पाकिस्तान की सेना पीओके में मानवाधिकार का उलंघन कर रही है और प्राकृतिक संसाधनों को लूट रही है। पीओके में बढ़ते अत्याचार और मानव अधिकारों को लेकर हो रहे प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की फजीहत बढ़ रही है। इससे बचने के लिए कभी उसके प्रधानमंत्री मुजफ्फराबाद का दौरा करते देखे जाते हैं तो कभी भारत के खिलाफ अनर्गल प्रलाप कर दुनिया का ध्यान बंटाते हैं। लेकिन सच्चाई यहीं है कि उसके हाथ से अब पीओके सरक रहा है। गौर करें तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके यह मूल कश्मीर का वह भाग है जिस पर पाकिस्तान ने 1947 में हमला कर जबरदस्ती अधिकार कर लिया था। जबकि असल में यह क्षेत्र भारत का है। 26 अक्टुबर, 1947 को कश्मीर के राजा हरि सिंह ने पाकिस्तानी कबायली आक्रमणकारियों से बचाने के लिए भारत सरकार से सैनिक सहायता की मांग की और कश्मीर को भारत में सम्मिलित करने की प्रार्थना की। भारत सरकार ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार लिया और 6 फरवरी, 1954 को कश्मीर की संविधान सभा ने एक प्रस्ताव के जरिए जम्मू-कश्मीर राज्य का विलय भारत में होने की पुष्टि की। भारत सरकार ने भारतीय संविधान में संशोधन कर 14 मई, 1954 को अनुच्छेद 370 के अंतरगत जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया और 26 जनवरी, 1957 को जम्मू-कश्मीर का संविधान लागू हो गया। पीओके की सीमाएं पाकिस्तानी पंजाब एवं उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत से पश्चिम में, उत्तर-पश्चिम में अफगानिस्तान के वाखान गलियारे से, चीन के जिनजियांग उइगर स्वायत क्षेत्र से उत्तर और भारतीय कश्मीर से पूर्व में लगती है। इस क्षेत्र के पूर्व कश्मीर राज्य के कुछ भाग ट्रांसकराकोरम ट्रैक्ट को पाकिस्तान द्वारा चीन को दे दिया गया है तथा शेष क्षेत्र को दो भागों (उत्तरी क्षेत्र एवं आजाद क्षेत्र) में विलय कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि इसी मसले पर 1947 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ और पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली। भारत ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र सहित समेत अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा भी इस क्षेत्र को पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) ही कहा जाता है। भारत सरकार ने भारतीय संविधान में संशोधन कर 14 मई, 1954 को अनुच्छेद 370 के अंतरगत जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दे दिया और 26 जनवरी, 1957 को जम्मू-कश्मीर का संविधान लागू हो गया। लेकिन भारत की तत्कालीन नेहरु सरकार द्वारा देर से लिए गए निर्णय के कारण पाकिस्तान ने गिलगित व बाल्टिस्तान में कबायली भेजकर लगभग आधे कश्मीर पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तान के कब्जे के बाद भारत ने दावा किया कि महाराजा हरि सिंह से हुई संधि के परिणामस्वरुप पूरे कश्मीर राज्य पर (पाक अधिकृत कश्मीर एवं आजाद कश्मीर) भारत का अधिकार है। लेकिन पाकिस्तान इसे मानने को तैयार नहीं है। हालांकि गौर करें तो कश्मीर समस्या का निपटारा 1947 में ही हो गया होता जब भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों को रौंदते हुए अपनी बढ़त बना ली थी। लेकिन तत्कालीन जवाहरलाल नेहरु की सरकार की ढुलमुल नीति और अदूरदर्शिता के कारण कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा भारत के हाथ से निकल गया। दरअसल नेहरु ने 31 दिसंबर 1947 को संयुक्त राष्ट्र संघ से अपील कर डाली कि वह पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी लूटेरों को भारत पर आक्रमण करने से रोके। नेहरु के इस गुहार से भारतीय सेना के हाथ बंध गए और 1 जनवरी 1949 को भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्ध विराम की घोषणा हो गयी। युद्ध विराम हो जाने के बाद पाकिस्तान कश्मीर के 32000 वर्गमील क्षेत्रफल पर कुंडली मारकर बैठ गया और इस क्षेत्र को आजाद कश्मीर का नाम दे दिया। उल्लेखनीय है कि 1949 से लेकर 1953 तक संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर समस्या पर गहन वाद-विवाद हुआ।

ऐलोवेरा से निखरे सौन्दर्य

औषधीय गुणों से भरपूर ऐलोवेरा में ए, सी, बी-1, बी-5, बी-6 व बी-12 जैसे विटामिनों की भरमार है। वही इसमें लौह, मैग्नेशियम, सोडियम, फास्फोरस, कैल्शियम और तांबा जैसे खनिज भी होते हैं, जो सौन्दर्य और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। ऐलोवेरा का आपको भरपूर लाभ मिले इसके लिए आवश्यक है कि आप अपने घर में ही ऐलोवेरा का पौधालगा लें और लाभ उठायें। ध्यान रहें ऐलोवेरा का जूस पत्ते की बाहरी त्वचा में और जैल पत्तों के गूदे में पाया जाता है। इन दोनों का ही प्रयोग आप त्वचा पर प्रत्यक्ष रूप से कर सकती है। जानते हैं ऐलोवेरा से होने वाले स्वास्थ्य और सौन्दर्य सम्बंधी लाभों को:

ऐलोवेरा से होने वाले लाभ

- ऐलोवेरा एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है।
- ऐलोवेरा सौन्दर्य बढ़ाने में भूमिका निभाता है।
- ऐलोवेरा के पल्प को त्वचा पर लगाने से त्वचा में नमी बढ़ती है।
- दाग-धब्बों की समस्या का समाधान करता है।
- त्वचा की तैलीयता को समाप्त करता है।
- त्वचा सम्बंधी समस्याएं, मुहांसे, आंखों के काले घेरे, आदि के साथ फटी एडियों की समस्या का भी ऐलोवेरा समाधान करता है।
- मुहांसों युक्त त्वचा के लिए इसका प्रयोग बहुत उपयोगी है।
- इसके प्रयोग से बालों से सम्बंधित समस्याओं का समाधान होता है।

ऐलोवेरा के उपयोगी पैक

- बेदाग त्वचा के लिए ऐलोवेरा के जूस में गुलाब जल समान मात्रा में मिक्स करके लगायें।
- संवेदनशील त्वचा के लिए ऐलोवेरा के जैल में खीरे का जूस मिक्स करके त्वचा पर लगायें।
- ऐलोवेरा का प्रयोग त्वचा को माइश्चराइज करता है जिससे त्वचा नरम मुलायम और आकर्षक नजर आती है। इसके लिए आप जैल में शहद मिक्स करके त्वचा पर लगायें।
- ऐलोवेरा का रस काले धब्बों की समस्या के समाधान में उपयोगी भूमिका निभाता है, इसके लिए ऐलोवेरा के जूस में नींबू का रस मिक्स करके त्वचा पर लगायें।
- बालों की शाइनिंग के लिए ऐलोवेरा के जूस में शहद मिक्स करके बालों की जड़ों में लगभग 15 मिनट के लिए लगायें। तंदुपरांत धो लें।
- त्वचा की स्क्रबिंग के लिए ऐलोवेरा के जूस में बादाम पाउडर और शहद को मिक्स करके मिश्रण तैयार कर लें, उपरोक्त मिश्रण को त्वचा पर हल्के हाथों से मलें इसके प्रयोग से जहां त्वचा की सफाई होगी,।

राहुल गांधी की बातों से परेशानी क्यों

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भाजपा एक बार फिर हमलावर हो गई है। राहुल गांधी इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। इस दौरान टेक्सास प्रांत के डलास शहर में भारतीय समुदाय और टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए जो विचार राहुल गांधी ने रखे, वो भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं। लिहाजा एक बार फिर राहुल गांधी को देशविरोधी, देशद्रोही, भारत का अपमान करने वाला, आदि कहा जा रहा है। दरअसल श्री गांधी ने अपने संबोधनों में भारत के विचार को केंद्र में रखते हुए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों पर भी टिप्पणी की, यही बात भाजपा नेताओं को इतनी खटक गई कि देश में निर्वाचित सांसद और नेता प्रतिपक्ष को देशविरोधी कहा गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन में कहा कि उनकी भूमिका भारतीय राजनीति में प्रेम, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को स्थापित करने की है। उन्होंने माना कि लगभग सभी दलों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव नजर आता है और इसे ही दूर करने में अपनी भूमिका को उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने धर्म, जाति, समुदाय, राज्य या भाषा के बंधनों से परे सभी से प्रेम की जरूरत पर बल दिया, इसके साथ ही कहा कि हर उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए जो भारत का निर्माण करने का प्रयास कर रहा है। विनम्रता केवल दूसरों में नहीं, बल्कि स्वयं में होनी चाहिए। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि, आरएसएस मानता है कि भारत एक विचार है। हम मानते हैं कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है। हम अमेरिका की तरह मानते हैं कि हर किसी को सपने देखने का अधिकार है, सबको भागीदारी का मौका मिलना चाहिए और यही लड़ाई है।

राहुल गांधी ने भारतीय परंपरा के मूल्यों के साथ-साथ संविधान की महत्ता को स्थापित किया, क्योंकि संविधान भी एक की नहीं, अनेकता में एकता की बात करता है। लेकिन भाजपा ने इस भाषण पर राहुल गांधी को घेर लिया। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि आरएसएस को जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने पड़ेंगे। कोई देशद्रोही आरएसएस को नहीं जान सकता। जो विदेशों में जाकर देश की निंदा करे वो आरएसएस को नहीं जान सकता। लगता है कि राहुल गांधी भारत को बदनाम करने के लिए ही विदेश जाते हैं। भाजपा सांसद के इस तिलमिलाहट भरे प्रत्युत्तर से कुछ सवाल उपजते हैं। जैसे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई किसी टिप्पणी पर संघ की ओर से बयान आने से पहले ही भाजपा क्यों जवाब दे रही है। राहुल गांधी अगर भारत में कई विचारों के सम्मान की बात करते हैं, तो भाजपा को यह बात क्यों नागवार गुजर रही है। क्या भाजपा यह मानने लगी है कि भाजपा और संघ का साथ देना देशप्रेम है और अभिव्यक्ति की आजादी के अंतर्गत अपने विचारों को प्रकट करना देशविरोधी गतिविधि है।

बहरहाल, राहुल गांधी ने टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत के दौरान बेरोजगारी दूर करने के जो तरीके बताए या भारत में उत्पादन गति धीमी होने और चीन के इस मामले में आगे निकलने के जो बयान दिए, उन पर भी भाजपा ने आरोप लगाया कि ये भारत का अपमान है।

भाजपा की बेचैनी उस वक्त और खुलकर सामने आ गई, जब ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को अधूरे संदर्भ के साथ भाजपा ने पेश किया। दरअसल राहुल गांधी के बारे में सैम पित्रोदा ने कहा कि उनके पास एक दृष्टिकोण है। हालांकि भाजपा ने करोड़ों रुपये खर्च किए राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए, लेकिन वो पप्पू नहीं हैं, जैसा भाजपा बताती है। राहुल काफी शिक्षित इंसान हैं, उन्हें मुद्दों की गहरी समझ है, वे काफी पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं और वे एक रणनीतिकार हैं।

जाहिर है सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ की और बताया कि भाजपा ने उनकी छवि जैसी बनाई है, वो वैसे नहीं हैं। लेकिन भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसी बयान के एक अंश को साझा कर तंज कसा कि कल्पना कीजिए कि कोई राहुल गांधी का परिचय इस तरह से करा रहा हो कि वो पप्पू नहीं हैं और सैम पित्रोदा ने यह कर दिखाया है। इस टिप्पणी के साथ भाजपा ने अधूरी बातों के साथ भ्रामक जानकारी संभवतः इस उद्देश्य से फैलाई कि इसका लाभ उसे मिलेगा। लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में जितना आसान गलत बातों को प्रसारित करना है, उतना ही आसान तथ्यों की पड़ताल करना भी है। लिहाजा दूध का दूध और पानी का पानी होने में वक्त नहीं लगता। इससे पहले चुनावों के वक्त भी सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को लेकर भाजपा हमलावर हुई थी, जब उन्होंने कहा था कि 'हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहां पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज जैसे दिखते हैं, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता. हम सब भाई-बहन हैं।' इस टिप्पणी को नस्लभेदी कहा गया, जबकि सैम पित्रोदा ने बताया था कि भारत में रंग-रूप की विविधता होने पर भी कोई फर्क नहीं है, सभी भारतीय एक हैं। दरअसल अंग्रेजी में कही बातों का जब अनुवाद होता है, तो कई बार सही संदर्भ में बातें सामने नहीं आ पाती। लेकिन अभी भाजपा जिस तरह से राहुल गांधी को घेर रही है, उसमें ऐसा लगता है कि भाजपा को समझ तो सब आ रहा है, लेकिन फिर भी वह कांग्रेस और राहुल गांधी को घेरने के लिए इस तरह के मिथ्या आरोप लगा रही है।

हालांकि लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा को अपनी राहुल विरोधी इस रणनीति को बदल लेना चाहिए। जितनी बार राहुल गांधी पर भाजपा सवाल उठाएगी, उससे कहीं ज्यादा सवाल भाजपा के शासनकाल और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर उठेंगे। क्योंकि श्री गांधी जनता से जुड़े मुद्दों पर ही बात कर रहे हैं, और सवाल कर रहे हैं। फिर चाहे वह देश में करें या अमेरिका में करें।

विश्व के वक्ष पर धड़कते स्वामी जी के विचार

-अरविंद जयतिलक

1893 में शिकागो में धर्म सम्मेलन (पार्लियामेंट आर्फ रिलीजन) में स्वामी विवेकानंद ने अपने ओजस्वी विचारों से अतीत के अधिष्ठान पर वर्तमान और वर्तमान के अधिष्ठान पर भविष्य का बीजारोपण कर विश्व की आत्मा को चैतन्यता से भर दिया था। उन्होंने पश्चिमी विचारधारा पर प्रहार करते हुए स्पष्ट कहा था कि "मेरी धारणा वेदान्त के इस सत्य पर आधारित है कि विश्व की आत्मा एक और सर्वव्यापी है। पहले रोटी और फिर धर्म। लाखों लोग भूखों मर रहे हैं और हम उनके मस्तिष्क में धर्म ठूंस रहे हैं। मैं ऐसे धर्म और ईश्वर में विश्वास नहीं करता, जो अनाथों के मुंह में एक रोटी का टुकड़ा भी नहीं रख सकता" उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित अमेरिका और यूरोप के धर्म विचारकों व प्रचारकों को झकझोरते हुए कहा कि "भारत की पहली आवश्यकता धर्म नहीं है। वहां इस गिरी हुई हालत में भी धर्म मौजूद हैं। भारत की सच्ची बीमारी भूख है। अगर आप भारत के हितैषी हैं तो उसके लिए धर्म प्रचारक नहीं अन्न भेजिए" स्वामी जी गरीबी को सारे अनर्थों की जड़ मानते थे। इसलिए उन्होंने दुनिया को सामाजिक-आर्थिक न्याय और समता-समरसता पर आधारित समाज गढ़ने का संदेश दिया। वे ईश्वर-भक्ति और धर्म-साधना से भी बड़ा काम गरीबों की गरीबी दूर करने को मानते थे। एक पत्र में उन्होंने ने लिखा है कि "ईश्वर को कहां ढुंढ़ने चले हो। ये सब गरीब, दुखी और दुर्बल मनुष्य क्या ईश्वर नहीं है? इन्हीं की पूजा पहले क्यों नहीं करते ?" उन्होंने स्पष्ट घोषणा की थी कि "गरीब मेरे मित्र हैं। मैं गरीबों से प्रीती करता हूं। मैं दरिद्रता को आदरपूर्वक अपनाता हूं। गरीबों का उपकार करना ही दया है" वे इस बात पर बल देते थे कि हमें भारत को उठाना होगा, गरीबों को भोजन देना होगा और शिक्षा का विस्तार करना होगा। स्वामी जी ने भारत के लोगों को संबोधित करते हुए शिकागो से एक पत्र में लिखा कि याद रखो की देश झोपड़ियों में बसा हुआ है, परंतु शोक! उन लोगों के लिए कभी किसी ने कुछ नहीं किया" स्वामी जी गरीबों को लेकर बेहद संवेदनशील थे। उन्होंने गुरु रामकृष्ण परमहंस के स्वगारोहण के बाद उनकी स्मृति में "रामकृष्ण मिशन" की स्थापना की। मिशन का उद्देश्य गरीबों, अनाथों, बेबसों और रोगियों की सेवा करना था। जब उन्होंने मठ के सन्यासियों के समक्ष यह प्रस्ताव रखा तो उनका भारी विरोध हुआ। सन्यासियों ने तर्क दिया कि हम सन्यासियों को ईश्वर की आराधना करना चाहिए न कि दुनियादारी में पड़ना चाहिए। स्वामी जी सन्यासियों के उत्तर से बेहद दुखी हुए। उन्होंने कहा कि आपलोग समझते हैं कि ईश्वर के आगे बैठने से वह प्रसन्न होगा और हाथ पकड़कर स्वर्ग ले जाएगा तो यह भूल है। आंखे खोलकर देखों की तुम्हारे पास कौन है। स्वामी जी ने दरिद्र को दरिद्र नारायण कहा। उन्होंने कहा कि "आप अपना शरीर, मन, वचन सब कुछ परोपकार में लगा दो। तुमको पता है "मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, अर्थात माता में ईश्वर का दर्शन करो। पिता में ईश्वर का दर्शन करो" लेकिन मैं कहता हूं "दरिद्र देवो भव, मूर्ख देवो भव। अनपढ़, नादान और पीड़ित को अपना भगवान मानो और जानो कि इन सबकी सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है" उनका मानना था कि मानवता के सत्य को पहचानना ही वास्तव में वेदांत है। वेदांत का संदेश है कि यदि आप अपने बांधवों अर्थात साक्षात ईश्वर की पूजा नहीं कर सकते तो उस ईश्वर की पूजा कैसे करोगे जो निराकार है। एक व्याख्यान में स्वामी जी ने कहा कि जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूं, जो उनके बल पर शिक्षित बना और उनकी ओर ध्यान नहीं देता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इन गरीबों, अनपढ़ों, अज्ञानियों एवं दुखियों को ही अपना भगवान मानो। स्मरण रखो, इनकी सेवा ही तुम्हारा परम धर्म है। स्वामी जी आम आदमी के उत्थान के लिए धन का समान वितरण आवश्यक मानते थे। वे इस बात के विरुद्ध थे कि धन कुछ लोगों के हाथों में केंद्रीत हो। स्वामी जी अंग्रेजों द्वारा भारत के संसाधनों के शोषण से चिंतित थे और भारत की दुर्दशा का इसे एक बड़ा कारण मानते थे। स्वामी जी देश की तरक्की के लिए कषि और उद्योग का विकास चाहते थे। वे अकसर परामर्श देते थे कि रामकृष्ण मिशन जैसी संस्थाओं को निःस्वार्थ भाव से गरीबी से जुझ रहे किसानों की दशा में सुधार लाने वाले कार्यक्रम एवं परियोजनाएं हाथ में लेनी चाहिए। स्वामी जी इस मत के प्रबल हिमायती थे कि भारत का औद्योगिक विकास जापान की तरह विशेषताओं को सुरक्षित रखते हुए होना चाहिए। वे चाहते थे कि देश में स्वदेशी उद्योगों की स्थापना हो। एक बार उन्होंने उद्योगपति जमशेद जी टाटा से पूछा था कि आप थोड़े से फायदे के लिए विदेश से माचिस मंगाकर यहां क्यों बेचते हैं?

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

-ललित गर्ग -

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट "वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024" बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप

जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दशार्ते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही "ढाक के तीन पात"। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिदेर्शों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

प्रेषक

(ललित गर्ग)

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट

25 आई. पी. एक्सटेंशन,

पटपड़गंज, दिल्ली-92

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने ग्रामीण विकास वभाग के कार्यों की समीक्षा की

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि विकास योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करें। सभी अधिकारी नियमित रूप से भ्रमण कर योजनाओं की मॉनीटरिंग करें। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से स्वीकृत अधूरे आवासों का 30 नवम्बर तक निर्माण पूरा कराएं। नए आवासों का सत्यापन करके 30 सितम्बर तक प्रथम किश्त की राशि जारी कर दें। आवासों की पूर्णता का प्रतिशत हर हाल में राज्य प्रतिशत से अधिक बना रहे। कमिश्नर ने लक्ष्य के अनुसार आवास पूरा न कराने पर पाँच जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा ग्रामीण आजीविका मिशन सतना के जिला समन्वयक को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि अधिकारी भ्रमण के दौरान निर्माण कार्यों का जायजा लें। साथ ही स्कूलों मीं मध्यान्ह भोजन वितरण की भी निगरानी करें। गुणवत्ताहीन मध्यान्ह भोजन देने वाले स्वसहायता समूहों को पृथक करने की कार्यवाही करें। मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार और प्रत्येक विद्यार्थी को भरपेट मिलना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री जनमन योजना से सीधी और सिंगरौली में चिन्हित सभी परिवारों को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, संबल कार्ड, बैंक खाता, किसान क्रेडिट कार्ड सहित सभी योजनाओं से लाभान्वित करें। सिंगरौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनमन योजना पर विशेष ध्यान दें। कमिश्नर ने कहा कि पूरे संभाग में निराश्रित गौवंश बहुत बड़ी समस्या हैं। गौवंश को सड़कों से हटाकर गौशालाओं एवं अस्थायी बाड़ों में रखने के लिए अभियान चलाएं। अस्थायी बाड़े में गौवंश के लिए चारा-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस अभियान को 15 दिवस में पूरा करें। अधूरी गौशालाओं का निर्माण 30 सितम्बर तक पूरा कराकर उनमें गौवंश रखने की व्यवस्था करें। संभाग में 498 अमृत

सरोवरों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इन सभी में ग्राम पंचायत के द्वारा स्वसहायता समूहों से मछली पलान कराएं। उप संचालक मछली पालन पंचायतों को निर्धारित मात्रा में मछली बीज उपलब्ध कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपनी जनपद के पाँच चुने हुए गांवों में मजदूरों के पलायन का अध्ययन कर 10 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ग्रामीण आजीविका मिशन में सभी लक्षित परिवारों को जोड़कर स्वसहायता समूह के माध्यम से लाभान्वित कराएं। सतना जिले की प्रगति बहुत कमजोर है। 37 हजार से अधिक परिवार अभी भी लाभान्वित होने से वंचित हैं। इन्हें 30 नवम्बर तक शत-प्रतिशत लाभान्वित करें। स्वसहायता समूहों को मछली पालन, कृषि आधारित उद्यम, कपड़ा निर्माण, श्रीअन्न की खेती और प्रोसेसिंग, उद्यानिकी फसलों, सिलाई तथा अन्य गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय बड़ाएं। संजय टाईगर रिजर्व में महिला गाइड के रूप में भी रोजगार का अवसर दिलाएं। संभाग भर में आजीविका मिशन के समूह द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री के लिए रीवा में जिला पंचायत में दुकान शुरू करें। कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को स्वच्छता सेवा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रीवा संभाग में 452890 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हैं। इनमें से 429093 का निर्माण पूरा हो गया है। यह लक्ष्य का 94.74 प्रतिशत है। अभी 23797 आवासों का निर्माण प्रगति पर है। आजीविका मिशन में 651799 परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। इनमें से 38852 परिवार शेष हैं। संभाग में 53744 स्वसहायता समूहों का गठन कर लिया गया है। इन्हें रिवाल्विंग फण्ड और सीसी लिमिट की सुविधा दी जा रही है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीवा डॉ सौरभ सोनवणे, सतना संजना जैन तथा जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह, उपायुक्त डीएस सिंह शामिल रहे। सिंगरौली के अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

रीवा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्थानीय उप निर्वाचन 2024 के तारतम्य में नगर पालिक निगम रीवा के वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद पद के उप निर्वाचन हेतु सम्पन्न हो रहे मतदान के लिये स्थापित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने वार्ड क्रमांक 5 अन्तर्गत राधामोहन विद्यालय में स्थापित पाँच मतदान केन्द्रों में मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा सुचारू मतदान के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदान केन्द्रों में पीठासीन अधिकारियों से मतदान प्रतिशत के विषय में पूंछतांछ की। कलेक्टर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 5 में पार्षद पद के उप निर्वाचन के लिये शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराया जा रहा है। मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिये कतारबद्ध होकर अपनी बारी इंतजार करते हुए शांतिपूर्वक मतदान कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम वैशाली जैन, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले में मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल एवं लोकनिर्माण विभाग पीआईयू द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने रीवा शहर में निर्माणाधीन सिविल लाइन पार्क को 25 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये। इस अवसर पर बताया गया कि जिला अस्पताल में ओपीडी निर्माण कार्य में फिनिसिंग का कार्य प्रगति पर है। इसे दिसंबर माह तक पूर्ण कर लिया जायेगा। बैठक में सर्किट हाउस निर्माण कार्य 15 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। इस दौरान व्यंकट क्लब निर्माण, सी एवं ई-टाइप शासकीय भवन निर्माण, सेंटर लाइब्रोरी निर्माण तथा पीडब्ल्यूडी भवन निर्माण कार्य की अद्यतन जानकारी कलेक्टर द्वारा ली गयी। बैठक में दिव्यगवां में कॉलेज भवन, रहट में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण, जवा में बीपीएचयू, भैरव मंदिर निर्माण, नैकहाई में बाउंड्रीबाल एवं गेट निर्माण, बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में प्रशासनिक भवन, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विस्तार भवन, इंजीनियरिंग कालेज के सेमिनार हॉल तथा चिरहुला मंदिर परिसर

जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा कलेक्टर द्वारा की गयी। कलेक्टर ने हिनौती गोधाम के लिए प्रस्तावित कार्य योजना का भी अवलोकन किया। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले में बनाये जा रहे विभिन्न सीएम राइज विद्यालयों की अद्यतन निर्माण स्थिति की जानकारी कलेक्टर ने ली। उन्होंने मनगवां, रायपुर कर्चुलियान तथा सिरमौर के सीएम राइज भवनों को मार्च 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र से यहां विद्यालय संचालित हो सके। उन्होंने पीके सीएम राइज स्कूल की निर्माण कार्य की प्रगति धीमी होने पर निर्माणकर्ता को नोटिस जारी करने के निर्देश बैठक में दिये। कलेक्टर ने डभौरा, त्योंथर तथा सेमरिया के भवनों का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान चिकित्सा विभाग अन्तर्गत छात्रावास भवन निर्माण, राजस्व विभाग अन्तर्गत एसडीएम हुजूर कार्यालय एवं मनगवां तहसील भवन सहित स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग में पीआइयू द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी तथा सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक अदालत में आपसी सुलह से होगा प्रकरणों का निराकरण: प्रधान जिला न्यायाधीश

रीवा। जिले में 14 सितम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रधान जिला

एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। प्रकरणों की सुनवाई के लिए 48 खण्डपीठें गठित कर दी गई हैं। इनके द्वारा जिला न्यायालय परिसर तथा तहसील न्यायालय परिसरों में प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रत्येक खण्डपीठ में सहयोगी अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी अपनी सेवाएं देंगे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य न्यायालयों में लंबित आपराधिक प्रकरण, चेक बाउंस प्रकरण तथा मोटरयान दुर्घटना दावा प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इसी तरह बिजली विभाग से संबंधित प्रकरण, पारिवारिक विवाद के प्रकरण, दीवानी प्रकरण, भूअर्जन प्रकरण सहित 7175 प्रकरणों में सुनवाई की जाएगी। इनमें बैंक, विद्युत, जल कर, सम्पत्ति कर, बीएसएनएल तथा प्रिलिटिगेशन के प्रकरण शामिल हैं। प्रकरणों का अधिक से अधिक निराकरण करने के लिए संबंधित पक्षकारों की लगातार काउंसलिंग की जा रही है। पत्रकार वार्ता में विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश श्री आशीर्वाद भिलाला भी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय संचालक ने डेंगू से बचाव जागरूकता रथ को किया रवाना

क्षेत्रीय संचालक ने डेंगू नियंत्रण के उपायों की समीक्षा की

रीवा। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव ने जिला मलेरिया कार्यालय में आयोजित बैठक में डेंगू के नियंत्रण के उपायों की समीक्षा की। क्षेत्रीय संचालक ने कहा कि जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से डेंगू के कई मरीज मिले हैं। सबसे अधिक संख्या रीवा शहरी क्षेत्र में पाई गई है। डेंगू मच्छर से फैलने वाली बीमारी है। इससे बचाव के लिए आमजनता को जागरूक करें। घरों के आसपास खुले स्थान, अनुपयोगी बर्तनों, पुराने टायरों, गमलों आदि में एकत्रित पानी में डेंगू तथा मलेरिया के मच्छर प्रजनन करते हैं। इनमें पानी का संचय न होने दें। डेंगू के मरीज चिन्हित होने पर डॉक्टर समुचित उपचार करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार डेंगू से बचाव तथा नियंत्रण के लिए सभी उपाय करें। बैठक में मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। बैठक के बाद क्षेत्रीय संचालक ने हरी झण्डी दिखाकर डेंगू से बचाव जागरूकता रथ को जिले में भ्रमण के लिए रवाना किया। यह रथ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी विकासखण्डों में भ्रमण करेगा। इस अवसर पर उप संचालक डॉ डीपी अग्रवाल, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बीके अग्निहोत्री, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव, सभी बीएमओ एवं अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान श्रीचन्द्र प्राकट्य महोत्सव सिंधु भवन में आज

रीवा/ सनातन धर्म, सनातन संस्कृति, सनातन सभ्यता के रक्षार्थ अवतरित श्री गुरुनानक देव जी के ज्येष्ठ पुत्र शिवअवतारी उदासिनाचार्य जगद्गुरु श्री श्रीचन्द्र भगवान जी का 530वां प्राकट्य महोत्सव श्री सदगुरुदेव स्वामी सन्तदास साहिब जी की दिव्य चेतना की पावन सन्निधि में दि.12 सितम्बर 2024 गुरुवार को स्थानीय सिंधु भवन में पूर्ण श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय सिंधु सन्त समाज ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हंसदास जी ने बताया कि भगवानश्री का प्राकट्य महोत्सव सम्पूर्ण विश्व के उदासीन आश्रमों में उदासीन महापुरुषों एवं सनातन प्रेमियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। इसी तारतम्य में रीवा नगर में भी विगत 04 अगस्त को चालीस दिवसीय दिव्य अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। अनुष्ठान का समापन 12 सितम्बर गुरुवार को स्थानीय सिंधु भवन में महाआयोजन के साथ किया जा रहा है। जिसमें सायं 06 बजे से भगवानश्री का षोडशोपचार पूजन, अभिषेक, श्रीचन्द्र चालीसा, श्रीचन्द्र अष्टक और मात्रा-वाणी का सामूहिक पाठ किया जाएगा।

सायं 07 बजे से भगवान श्रीचन्द्र सत्संग सुधा में संगीतमय प्रवचनों के साथ भगवानश्री की महिमा, जीवन चरित्र, उपदेशों, आदर्शो और शिक्षाओं का वर्णन किया जाएगा। तत्पश्चात मधुर गीतों और नृत्य द्वारा अवतरण दिवस की खुशियां मनाई जाएगी। इस

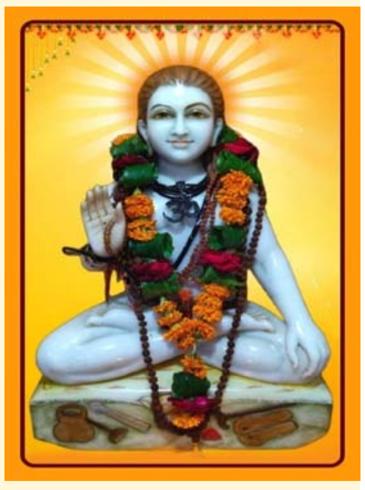

अवसर पर रात्रि 09 बजे से महाप्रसाद (भण्डारे) का भी आयोजन है। सभी श्रद्धालु भक्त जनों से आग्रह है कि सपरिवार और इष्ट मित्रों सहित पधारकर सारगर्भित प्रवचनों और सेवा का लाभ प्राप्त करें।

'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग कर रही हैं मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने खुलासा किया कि वह अपनी आगामी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग के लिए मुंबई वापस आ गई हैं। मृणाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' के 'स्टोरी सेक्शन' पर अपनी वेनिटी वेन की मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की। तस्वीर पर मुंबई मेरी जान और सन ऑफ सरदार 2 लिखा था। बेकग्राउंड स्कोर में पंजाबी एमसी का गाना ढोल जगीरो दा बज रहा था। सन ऑफ सरदार 2 अश्विनी धीर द्वारा निर्देशित 2012 की एक्शन-कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस दूसरी फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त भी हैं।

मृणाल हाल ही में स्कॉटलेंड से छुट्टियां मनाकर लोटी हैं। अब वह गणेश चतुर्थी पर भी काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी ड्रेसिंग टेबल, आईने और कुर्सी की तस्वीर साझा की। मृणाल ने तस्वीर को मोनोक्रोम में पोस्ट किया और लिखा, गणेश चतुर्थी पर काम जारी है! बहुत ज्यादा 'फोमो' हो रहा है। दोस्तों, मेरी तरफ से आप लोग एक एक्स्ट्रा मोदक लीजिएगा। आप सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं। मृणाल ने यह नहीं बताया कि वह किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। हालांकि, उनकी आने वाली फिल्मों में 'पूजा मेरी जान' और 'है जवानी तो इश्क होना है' भी शामिल हैं।

अभिनेत्री ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2012 में टेलीविजन शो मुझसे कुछ कहती है...ये खामोशियांर से की थी। वह अर्जुन, कुमकुम भाग्य जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। वह नच बलिए 7 में भी भाग ले चुकी हैं। मृणाल वेबसीरीज 'मेड इन हेवन 2' का भी हिस्सा थीं। उन्होंने 'लव सोनिया', 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', 'धमाका', 'सीता राम', 'पिप्पा' और 'द फैमिली स्टार' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है।

सनम तेरी कसम का बनेगा सीक्वल

हर्षवर्धन राणे की फिल्म सनम तेरी कसम के सीक्वल की घोषणा कर दी गयी है। वर्ष 2016 में रिलीज हुई फिल्म सनम तेरी कसम की खूब तारीफ हुई थी, वहीं अब मेकर्स ने घोषणा कर दी है कि वे बहुत ही जल्द सनम तेरी कसम 2 भी लेकर आ रहें हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सनम तेरी कसम 2 का ऐलान करते हुए केप्शन में लिखा, सनम तेरी कसम 2 बन रही है, एक शानदार प्रेम कहानी के बाद हम एक और बेहतरीन कहानी के साथ वापसी कर रहें हैं, अन्य जानकारियों के लिए हमारे साथ जुड़े रहिए।

गांधारी में काम करेंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू फ़ल्मि गांधारी में काम करती नज़र आयेंगी। तापसी पन्नू की आगामी फिल्म गांधारी है, जिसकी अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर एक वीडियो और फोटो के साथ की गयी है। गांधारी के क्लिप में देखा जा सकता है कि बेकग्राउंड वॉइस में तापसी ने कहा, कहते हैं मां की दुआ हमेशा साथ चलती है, लेकिन जब उसकी बच्ची पर आती है तो काली भी वही बनती है। वीडियो के साथ एक तस्वीर भी शेयर की गई है, जिसमें तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों साथ में पोज दे रहे हैं। ब्लेक एंड व्हाइट ड्रेस में तापसी लाजवाब लग रही हैं, वहीं कनिका ब्लेक लुक में दिख रही हैं।

अंकिता लोखंडे पति विक्की के साथ हुई रोमांटिक

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पति विक्की जेन के साथ एक तस्वीर शेयर की। जिसमें दोनों बहुत आकर्षक और स्टाइलिश लग रहे हैं। इस फोटोशूट ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है और उनके प्रशंसक उनकी जोड़ी को बहुत पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की। जोड़ी दमदार लग रही है। ब्लेक कलर की ड्रेस पहन रखी है। नेचुरल मेकअप लुक चुना है। बालों का पोनीटेल बनाया है और स्टड इयररिंग्स और ब्लेक हील्स के साथ लुक को पूरा किया है। उनके पति विक्की जेन सफेद टी-शर्ट, मैचिंग ब्लेजर और ट्राउजर में शानदार दिख रहे थे।

वीडियो में दोनों एक दूसरे को गले लगाते और कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। क्लिप में आगे अंकिता को बाथटब में पोज देते हुए दिखाया गया है। अंकिता लोखंडे ने केप्शन में लिखा, हमने अपना मिडिल नाम 'हॉट एंड सैसी' रखा है। उनके एक प्रशंसक ने अभिनेत्री की पोस्ट पर टिप्पणी की, यह सबसे हॉट जोड़ी है। एक अन्य यूजर्स ने कहा, यह हॉट है। बता दें कि अभिनेत्री अंकिता लोखंडे 14 दिसंबर 2021 को मुंबई में एक पारंपरिक समारोह में बिजनेसमेन विक्की जेन के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। अंकिता लोखंडे ने साल 2009 में 'पवित्र रिश्ता' में अर्चना की भूमिका निभाई थी। उनके एक्टिंग करियर को इस शो ने ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस शो में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने मानव की भूमिका निभाई थी। अंकिता लोखंडे (39) को आखिरी बार विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में देखा गया था। इसका निर्देशन, सह-लेखन और सह-निर्माण रणदीप हुड्डा ने किया है, जिन्होंने मुख्य भूमिका भी निभाई थी।

52 वर्ष के हुए फिल्मकार अनुराग कश्यप

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार अनुराग कश्यप आज 52 वर्ष के हो गए। अनुराग कश्यप का जन्म 10 सितंबर 1972 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ था। उनके पिता श्रीप्रकाश सिंह उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता थे और वाराणसी के पास सोनभद्र जिले के ओबरा थर्मल पावर स्टेशन में तेनात थे। अनुराग कश्यप ने अपनी प्राथमिक शिक्षा देहरादून के हिलग्रेंज प्रीपरेटरी स्कूल से तथा कक्षा सात के बाद की शिक्षा ग्वालियर के सिंधिया स्कूल से प्राप्त की। वेज्ञानिक बनने की इच्छा के कारण, कश्यप उच्च अध्ययन के लिए दिल्ली गए और हंसराज कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) में प्राणीशास्त्र पाठ्यक्रम में दाखिला लिया ; उन्होंने 1993 में स्नातक किया। फिर वह अंततः स्ट्रीट थिएटर ग्रुप, जन नाट्य मंच में शामिल हो गए और कई नुक्कड़ नाटक किए। उसी वर्ष, उनके कुछ दोस्तों ने उनसे भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव देखने का आग्रह किया। दस दिनों में उन्होंने महोत्सव में 55 फिल्में देखीं, और विटोरियो डी सिका की

साइकिल चोर वह फिल्म थी जिसने उन्हें सबसे अधिक प्रभावित किया। एक टेलीविजन धारावाहिक लिखने के बाद, अनुराग कश्यप को राम गोपाल वर्मा की अपराध ड्रामा सत्या (1998) में सह-लेखक के रूप में अपना बड़ा ब्रेक मिला और उन्होंने फ़ल्मि पांच के साथ अपना निर्देशन पदार्पण किया, जो सेंसरशिप के मुद्दों के कारण कभी सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई। उन्होंने फिर से राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म कौन (1999) के लिए टीम बनाई और शूल (1999) के संवाद भी लिखे। इसे अस्वस्थ मनोरंजन बताते हुए कहा गया कि यह सेक्स, ड्रग्स के प्रति बेपरवाह है और यह अलग-थलग पड़े युवाओं को गुमराह करेगा। फिल्म को बोर्ड ने 2001 में मंजूरी दे दी थी लेकिन यह रिलीज नहीं हुई। 2001 के बाद कश्यप ने युवा (2004), वाटर (2005) और मिक्स्ड डबल्स (2006) सहित कई फिल्मों के लिए संवाद लिखे। एक फिल्म निर्माता के रूप में कश्यप के औसत दर्जे के करियर को एक और नुकसान हुआ क्योंकि उनकी अगली फिल्म ब्लेक फ्राइडे को विषय की संवेदनशीलता के कारण सिनेमाघरों में रिलीज नहीं किया गया।

हालांकि, फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और प्रशंसा मिली और अंततः 2007 में भारत में रिलीज हुई। ब्लेक फ्राइडे बॉलीवुड में निर्देशक के रूप में अनुराग की आधिकारिक शुरुआत है और यह भारतीय सिनेमा की सबसे शानदार ढंग से तेयार की गई फिल्मों में से एक है। कश्यप की अगली फिल्म नो स्मोकिंग (2007) को नकारात्मक समीक्षा मिली और बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन खराब रहा। ब्लेक फ्राइडे की सफलता के बाद, कश्यप वर्ष 2009 में कश्यप ने दो फिल्मों का निर्देशन किया: देव डी, और गुलाल। पहली फिल्म सरन चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास देवदास का आधुनिक रूप है।

फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट घोषित किया गया और आलोचकों से सकारात्मक समीक्षा मिली। हालांकि, वर्ष की उनकी दूसरी रिलीज गुलाल एक व्यावसायिक असफलता थी, लेकिन फिल्म को समीक्षकों द्वारा सराहा गया।

बहुरंग

इस फिल्म में 'गे' बने थे शाहरुख खान

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर शाहरुख खान ने हिंदी सिनेमा में बहुत ही साधारण तरीके से शुरुआत की थी। लेकिन छोटी-मोटी भूमिकाओं से आगाज करने वाला ये एक्टर आज 'बॉलीवुड का बादशाह' है। मोजूदा दोर में जिस एक्टर के सितारे चमक रहें हे उसके जीवन में एक समय ऐसा था, जब किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने में उसने गुरेज नहीं किया। कई अलग-अलग भूमिका निभाई। आपको जानकर हैरानी होगी कि किंग खान ने असल में हिंदी से नहीं, बल्कि अंग्रेजी भाषा में बनी एक फिल्म से अपने सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। सोशल मीडिया पर शाहरुख खान का एक पुराना वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें किंग खान एक समलैंगिक किरदार में नजर आ रहे हैं। ये फिल्म एक आदर्शवादी छात्र आनंद ग्रोवर/एनी (अर्जुन रैना) की कहानी है, जो पढ़ाई करने के बजाय भारत की समस्याओं के लिए काल्पनिक समाधान के बारे में सोचना पसंद करता है। यहां तक कि अरुंधति को भी आनंद की प्रेमिका बोहेमियन राधा की भूमिका में दिखाया गया है। इसमें रोशन सेठ, ऋतुराज सिंह और चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए थे।

दिलचस्प

इटली में रोमांटिक गाने की शूटिंग करेंगे ऋतिक-कियारा

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'वॉर 2' के लिए इटली में एक रोमांटिक गाने की शूटिंग करेंगे। इटली का यह कार्यक्रम 18 सितंबर से शुरू होगा और लगभग 15 दिनों तक चलेगा। एक सूत्र ने बताया, जब आप बॉलीवुड के दो सबसे अच्छे दिखने वाले एक्टरों को पहली बार साथ में लाते हैं, तो आपको दर्शकों के लिए कुछ स्पेशल करना पड़ेगा। 'वॉर 2' मेकर्स भी कुछ नया और मजेदार करने के लिए एक बड़ा कदम उठा रहे हैं।

उन्होंने ऋतिक और कियारा की जोड़ी को सुपरहिट करने के लिए इटली में रोमांटिक सॉन्ग शूट करने का इरादा बना लिया है। जहां वादियों और पहाड़ियों में करीब 6 दिन तक यह शूटिंग चलेगी। ऋतिक और कियारा इटली में रोमांस का तड़का लगाने के बाद, भारत लोटने से पहले कुछ एक्शन और ड्रामा दृश्यों की शूटिंग भी करेंगे। जानकारी के अनुसार, श्वॉर 2 से कियारा और ऋतिक की एक भी तस्वीर मीडिया में नहीं आई है। इसलिए वाईआरएफ प्रोडक्शन पूरी कोशिश कर रहा है कि कुछ भी लीक न हो।

शूटिंग के लिए अपने गांव पहुंचे गायक गुरु रंधावा

पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने सोमवार को एक बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने बताया कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए अपने 'होम ग्राउंड' पंजाब में शूटिंग कर रहे हैं। रेपर ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया है। इसमें हम उन्हें हाफ स्लीव्स ग्रीन टी-शर्ट और ब्लेक डेनिम जींस पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने इस लुक को व्हाइट शूज पहनकर और भी बेहतरीन बना दिया है। वीडियो के बैकग्राउंड में गाय और भैंसें दिखाई दे रही हैं। आप उन्हें घर के अंदर आंगन में घूमते हुए देख सकते हैं। वीडियो के आखिर में वह पंजाब वाले नंबर की गाड़ी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर केप्शन में लिखा, पंजाब मेरे खून में...अपने होम ग्राउंड पर शूटिंग पंजाब के गुरदासपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले गुरु को लाहोर, इशारे तेरे, स्लोली स्लोली और तेरे ते जैसे गानों के लिए जाना जाता है। उनका पहला गाना अर्जुन के साथ मिलकर बनाया गया सेम गर्ल था। उन्होंने 2013 में अपना पहला एल्बम 'पेज वन' लॉन्च किया था, जिसमें तीन गाने दर्दा नु, आई लाइक यू और साउथॉल जारी किए थे। वहीं, रेपर और गायक बोहेमिया ने गुरु के साथ मिलकर पटोला गीत बनाया। इस गाने को यूट्यूब पर 368 मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं। रंधावा को 'तारे', 'सूट', 'हाई रेटेड गबरू', 'सुरमा-सुरमा', 'नाच मेरी रानी', 'डांस मेरी रानी', 'डिजाइनर', 'बन जा रानी' जैसे गानों के लिए भी जाना जाता है।

शिवपुरी शहर हुआ जलमग्न नेता प्रतिनिधियों के घर के सामने भरा बारिश का पानी,नगर पालिका व्यवस्था हुई ठप्प

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी शहर की शिवपुरी शहर की जनता तो पहले से ही परेशान थी लेकिन इस बारिश में हमें देखने को मिल रहा है कि शिवपुरी शहर के नेता विधायक प्रतिनिधि भी इस बारिश में परेशान हो रहे हैं जिसका कारण यह है कि नेता लोगों के घर के सामने इतना पानी भर चुका है कि लोगों का निकालना ही मुश्किल हो रहा है हर गली मोहल्ले में बारिश का पानी इतना भर चुका है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो चुका है जिसका एक और एक कारण यह है कि नगर पालिका द्वारा किसी भी प्रकार की कोई भी व्यवस्था बारिश आने से पहले नहीं की गई है नगर पालिका अध्यक्ष सिर्फ और सिर्फ अपना हुकुम चलती हैं शहर को सुधारने और शहर को सजाने की व्यवस्था में सबसे पहले सबसे

पीछे रहती है वह सिर्फ अपने ठेकेदारों से कमीशन खाने में सबसे पहले रहती है जी हां रुक रुक कर हो रही वारिश ने सारे शहर की जल निकासी व्यवस्था को लेकर नगरपालिका की कलई खोल दी है। शिवपुरी शहर के वहुत सारे वार्डों से नालियां चौक होने की वजह से रोड़ पर और घरों मैं जल भराव की वीडियो आ रही है।

इनमें से ही एक वीडियो शिवपुरी से चुने हुए जनप्रतिनिधि, विधायक शिवपुरी देवेन्द्र जैन के निवास वाली महल रोड़ का है जो कल्ला पान के सामने थीम रोड़ पर वनी पुलिया के चौक होने के कारण रोड़ जलमग्न हो गई है।सुवह से ही लोग पानी मैं से वचते वचाते निकल रहे हैं। गौरतलव है कि नगरपालिका अध्यक्ष, विधायक,सांसद सव भाजपा से हैं और जनप्रतिनिधियों के आवास की रोड़ का यह हाल है तो आम नागरिक अपनी समस्या लेकर कहां जाये। इस जल भराव को लेकर आसपास के लोग भी नेताओं के प्रति चटखारे लेते दिखे।

जिले में नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं हेतु आज अवकाश घोषित

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी– कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा शिवपुरी जिले में हो रही अत्यधिक वर्षा के मद्देनजर जिले के समस्त विद्यालयों में नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं हेतु आज अवकाश घोषित किया है। जारी आदेश के तहत छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, निजी विद्यालयों के कक्षा के.जी. नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं हेतु 12 सितम्बर का अवकाश घोषित किया गया है। संस्था प्रमुख अथवा प्राचार्य तथा समस्त विद्यालयीन स्टॉफ विद्यालय में उपस्थित रहकर शासकीय अथवा पदीय कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

सिंगरौली जिले की सरकारी स्कूल राम भरोसे

प्राइमरी स्कूल के टीचर को शराब पीकर सोते हुए देख स्थानीय लोगों ने कहा कि सिंगरौली जिले के सरकारी स्कूलों की स्थिति राम भरोसे है क्योंकि जिन शिक्षकों की जिम्मेदारी बच्चों को पढ़ाने की है वही क्लास में आराम फरमा रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारियों के कान में जू तक नहीं रेंगती। अब देखना यह होगा की खबर प्रशासन के बाद शिक्षा विभाग क्या कुछ कार्यवाही करता है या फिर ऐसा ही चलता रहेगा।

राजस्व विभाग की टीम बकायादारों के घरों में मार रही छापा

नवागत एसडीएम पूजा साहू के निर्देश पर संग्रह विभाग सक्रिय

ब्यूरो रमेश रैकवार चित्रकूट

चित्रकूट। शासन के निर्देशानुसार राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा कड़े निर्देश दिए गए हैं । इसी क्रम में सदर तहसील कर्वी में भी राजस्व वसूली की दिशा में अधिकारियों की सक्रियता दिखाई पड़ रही है । नवागत एसडीएम पूजा साहू के निर्देशानुसार नायब तहसीलदार संग्रह हिमांशु द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने बड़े बकायादारों के यहां छापामारी कर बकाया राजस्व जमा करने के लिए प्रेरित किया। बुधवार को राजस्व टीम ने विभिन्न वसूली के रूप में डेढ़ लाख रुपए की राजस्व वसूली की है, कई वकायादारों को बकाया देय राजस्व जमा करने की चेतावनी दी गई है। नायब तहसीलदार हिमांशु द्विवेदी के साथ पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारी और पुलिस टीम भी मौजूद रही।

तीन अक्टूबर शाम 6 बजे से 5 अक्टूबर को मतदान समाप्ति तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध- जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा

8 अक्टूबर को मतगणना होने तक भी बंद रहेंगी शराब की दुकानें

संवाददाता नीरज सोनी (तावडू)

नूंह। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने पंजाब आबकारी अधिनियम-1914 की धारा 54 के तहत हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान आगामी 3 अक्टूबर सायं 6 बजे से 5 अक्टूबर को मतदान समाप्ति समय 6 बजे तक तथा मतगणना की तिथि 8 अक्टूबर को मतगणना होने तक जिला की सीमा में स्थित सभी शराब की दुकानें बंद रखने तथा शराब की बिक्री न करने के आदेश पारित किए हैं। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से करवाने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला की सीमा में शराब की दुकानों को बंद करने निर्देश दिए गए हैं। इन दिनों जिले में किसी भी स्थान जैसे होटल, मधुशाला, खाने की दुकानों आदि पर शराब या अन्य मादक पदार्थों की बिक्री नहीं की जा सकती है। इन आदेशों की प्रतियां नगर परिषद, उपमंडल कोर्ट, तहसील कोर्ट व सार्वजनिक स्थानों, पुलिस थानों में चस्पा की गई हैं तथा उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त कार्यालय की ओर से सभी लाइसेंस धारक वेंडर्स को आदेशों की प्रति भेजी गई हैं।

हिंदी हमारी मातृभाषा है और आम जन की भाषा भी है

संवाददाता नीरज सोनी (तावडू)

नूंह। राजकीय माध्यमिक विद्यालय खेड़ली दौसा में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसके अंतर्गत हिंदी के प्रचार प्रसार से जुड़े साहित्य सम्मान से सम्मानित आचार्य राजेश ने कहा हिंदी हमारी मातृभाषा है और आम जन की भाषा भी है हमें इसका अत्यधिक प्रयोग करना चाहिए उन्होंने कहा महात्मा गांधी और महर्षि दयानंद सरस्वती ने हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए अथक प्रयास और उनका सपना था। उन्होंने कहा भाषा के गुलामी राष्ट्र को गुलाम बना देती है राष्ट्रभाषा हिंदी के लिए हमें 1

से 100 तक हिंदी शब्दों में कविता कहानी निबंध लेखन प्रतियोगिता हिंदी भाषा को बढ़ावा दे सकती है राजकीय माध्यमिक विद्यालय में एक दिन की कार्यशाला में आचार्य राजेश ने बच्चों को कहानी कविता नाटक लेखन प्रतियोगिता और 1 से 100 तक गिनती लिखने का तरीका भी बताया हम अपने हस्ताक्षर करके हिंदी को बढ़ावा दे सकते हैं हेड मास्टर यादराम ने कहा हिंदी भाषा हमें आपस में जोड़ने का काम करती है पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ने का काम हिंदी भाषा करती है। राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए और मौलिक चिंतन मौलिक रिसर्च करने के लिए हिंदी भाषा अनिवार्य है। वेदपाल मास्टर ने कहा हमें हिंदी के लिए हिंदी के कहानी उपन्यास नाटक कविता पढ़कर भी अपने आप को मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर यादराम हेड मास्टर, शरद सौभाग्यम, बबली, अशोक, वेदपाल, अंजू बाला, कंचन बाला उपस्थित रहे।

हर्ष विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला संचार एवं साक्षात्कार कौशल पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

लक्सर/ क्षेत्र अंतर्गत हर्ष विद्या मंदिर पी.जी. कॉलेज रायसी में आज शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला संचार एवं साक्षात्कार कौशल पर कार्यशाला को आयोजित किया गया। जिसमे कार्यक्रम का मुख्य विषय संचार एवं साक्षात्कार कौशल पर कार्यशाला का आयोजन करते हुए अंग्रेज़ी विभाग द्वारा एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. के.पी. सिंह व सचिव डॉ. हर्ष कुमार दौलत द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान कार्यशाला में लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और संचार तथा साक्षात्कार कौशल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को प्राप्त किया। वही इस अवसर पर डॉ. के.पी. सिंह व सचिव डॉ. हर्ष कुमार दौलत कहा कि अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके करियर को उच्चतम स्तर तक ले जा सकती हैं। यह आपकी पर्सनालिटी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आपके व्यवहार एवं भावनाओं को भी व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा कि कम्युनिकेशन स्किल्स का डिग्री या शैक्षणिक योग्यता से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि हर डिग्रीधारी व्यक्ति की कम्युनिकेशन स्किल्स उत्कृष्ट हो, कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार किया जा सकता है। इस प्रकार के

व्याख्यान छात्रों के भविष्य निर्माण में सहायक होते हैं। वही कार्यक्रम संयोजक डॉ. पूनम चौधरी ने मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय दिया व मुख्य वक्ता डॉ. दुर्गेश कुमारी ने कम्युनिकेशन स्किल्स को महत्वपूर्ण कला बताया। जिसमे डॉ. पूनम चौधरी व डॉ. दुर्गेश कुमारी ने बताया कि हम अपने विचारों और सुझावों के माध्यम से समाज एवं अपने मित्रों का सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं। उपप्राचार्य डॉ. अजीत राव ने कहा कि संचार और साक्षात्कार कौशल केवल शैक्षिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि यह आवश्यक है कि ये कौशल व्यक्ति की पेशेवर और व्यक्तिगत जिंदगी में सकारात्मक प्रभाव डालें। डॉ. प्रमोद कुमार ने संचार में स्पष्टता के महत्व पर जोर देते हुए, मौखिक एवं अशाब्दिक संचार को सुधारने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव दिए। डॉ. दीपिका भट्ट ने साक्षात्कार के दौरान आत्म-विश्वास से प्रस्तुत होने वाली बारीकियों की व्याख्या की और सामान्य व कठिन प्रश्नों का उत्तर देने एवं तनाव को प्रबंधित करने के तरीकों पर चर्चा की। वही कार्यक्रम के दौरान डॉ. पूनम चौधरी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. राहुल कौशिक, डॉ. मीनू सैनी, डॉ. अतुल कुमार दुबे, डॉ. निशा पाल, डॉ. विनीता, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. प्रीति, डॉ. अंजु, डॉ. के.पी. तोमर, डॉ. सुरजीत कौर, डॉ. सारिका महेश्वरी, डॉ. शिल्पी, डॉ. स्मृति कुक्साल, डॉ. ललित मोहन, डॉ. परीक्षित, डॉ. कुलदीप, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. विकास तायल, डॉ. वर्षा, डॉ. प्रिया, डॉ. अक्षय आदि उपस्थित रहे।

शिक्षकों की लापरवाही से बच्चों का भविष्य अंधेरे में टीचर क्लास रूम में टेबल पर पूरी करते हैं नीद

ख़बर सरकारी स्कूल हमेशा ही लापरवाही के चलते सुर्खियों में रहते हैं कहा जाता है कि शिक्षक बच्चों के भविष्य का निर्माता होता है लेकिन शिक्षक जब लापरवाही करते हुए कक्षा में शराब पीकर सोने लगे तो फिर क्या ही कहना। कुछ ऐसा ही हुआ सिंगरौली जिले के शासकीय प्राथमिक स्कूल में जहां क्लास रूम में टीचर के शराब पीकर सोने का मामला सामने आया। जानकारी के मुताबिक मामला सिंगरौली जिले के जनपद शिक्षा केंद्र चितरंगी के बेलौही प्राइमरी स्कूल का है जहां प्राइमरी स्कूल का शिक्षक क्लास रूम में शराब के नशे में टेबल पर तकिया लगाकर नींद पूरी कर रहा है और आसपास बच्चे बैठे हुए हैं।

शासन के द्वारा मल्टीपरपज हॉल बनवाया जा रहा है जिसकी लागत लगभग 50 लाख रुपए है

बांदा। बिसंडा ब्लॉक अन्तर्गत ग्राम भदेहदू में राजकीय हाईस्कूल की बिल्डिंग के बगल में मीटिंग कक्ष बन रहा है लेकिन महोदय ठेकेदार कोई लखनऊ से है तो 3 नंबर का ईट व बहुत ही घटिया मसाले से बनवा रहे हैं किंतु अभी 2 दिन पूर्व आदरणीय शिक्षा निदेशक प्रयागराज निरीक्षण करने आए थे तो उन्होंने निर्माण किया गया बीम टेढ़ा मेढा गड़बड़ होने पर पुनः तोड़ कर बनवाने एवं और अधिक सीमेंट डालने व इस ईट को बदलने के लिए बोल गए थे किंतु ठेकेदार एवं निर्माण एजेंसी अपनी मनमानी पर उतारू है बिना बीम तोड़े उसी तरह घटिया सामग्री से निर्माण कराया जा रहा है जिसकी जानकारी होने पर भतीजा धीरेन्द्र सिंह पटेल को मौके पर भेज पूर्ण जानकारी लेकर शिक्षा विभाग के श्रीमान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय सहित श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बांदा एवं आवास विकास परिषद लखनऊ के अधिकारियों को जरिए मोबाइल अवगत करा कार्य को मानक अनुरूप करवाने के लिए आग्राह किया। अन्यथा की स्थिति में स्थानीय लोगों की मदद सहयोग से जल्द लिखित प्रार्थना पत्र देकर दोषियों पर कार्रवाई करवाते हुए पुनः निर्माण करवाने का भरसक प्रयास करेगें।

मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में दर्जनों ट्राफी व मेडल जीत कर किया स्कूल का नाम रोशन

लक्सर/ ब्लॉक स्तरीय आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में सुल्तानपुर स्थित मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने खो-खो, कबड्डी, दौड़ व सुलेख आदि विभिन्न तरह के खेलों में अपना प्रतिभाग किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं खेल प्रतियोगिता में ब?-च?कर हिस्सा लिया और छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार प्रदर्शन किए जाने पर उन्हें स्कूल स्तर पर सम्मानित किया गया। आपको बतादें की सुल्तानपुर में स्थित मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल में ब्लॉक स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से 200 मी. की दौ? में प्रथम पर रहे 14 वर्ग के छात्र खिलाडियों में फरीद व हरप्रीत ने प्रथम पर बा?ी मारी है। वही द्वितीय पर 14 वर्ग के छात्र खिलाडियों में हरप्रीत व छात्राओं में 14 वर्ग बालिकाओं में नैना ने 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्च्यात 11 वर्ग के बालकों में सूर्य 50 मी. दौड़ में द्वितीय स्थान पाकर उपविजेता बना। इसके चलते खो-खो प्रतियोगिता में 14 वर्ग बालिका में राधिका, चाँदनी, छवि, समरीन, अलशिफा, नैना, मुस्कान, श्रद्धा, रिया, असफिया, ज्योति विजेता बनी। वही कबड्डी प्रतियोगिता में बालक अंडर 11 वर्ग में सूर्य, प्रियांशु,

अर्पित, निहाल, आर्यन कर्णवाल भी विजेता हुए। इसी कबड्डी प्रतियोगिता के चलते बालक व बालिका अंडर 14 वर्ग में भी दोनों टीम विजेता रही। इसके अलावा लॉन्ग जंप बालक अंडर 11वर्ग में सूर्य प्रथम, कार्तिक द्वितीय एवं लॉन्ग जंप बालक व बालिका अंडर 14वर्ग में आसिद बालिका राधिका प्रथम व चांदनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही सुलेख प्रतियोगिता में भी मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए, अंडर11 में अर्पित अंग्रेजी में प्रथम, असमी हिंदी में द्वितीय एवं अंडर14 में पारुल हिंदी में द्वितीय, छवि अंग्रेजी में प्रथम स्थान पर रही। इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल प्रबंध कमेटी ने आज मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल में सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के प्राचार्य विनोद सारली ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए, आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन करते रहने के लिए हौसला बढ़ाया। जिसमे उन्होंने बताया की कुछ बच्चों को जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भी चयनित किए जाने की संभावना है। वही मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधक उदय सिंह ने खेल शिक्षक रजनी और मुनीस अली को सम्मानित करते हुए सभी खिलाड़ियों को शूभकामनाएँ दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिसमे मोंटफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं खिलाड़ियों को बधाई दी है।

संगीत से रहे स्वस्थ निरोगी काया

एक तरफ जहां योग्य से मनुष्य शरीर, मन और मस्तिष्क को साधता है, वहीं संगीत हमारी आत्मा को शुद्ध करता है। संगीत का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं है, आधुनिक एवं मीडिया में बने रहने के इच्छुक संगीतज्ञों को छोड़ दिया जाए तो हर तरह का संगीत शुद्धता व पवित्रता पर जोर देता है। स्वरों की उपासना, रियाज, शास्त्र शुद्ध पद्धति द्वारा आराधना कर अंतर्मन में गहराई तक उतारना संगीत का मुख्य लक्ष्य है। इसलिए संगीत शास्त्र व आध्यात्मिक एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि दोनों का उद्देश्य समान है आत्म साक्षात्कार।

मानव जीवन की आवश्यकताओं में पहला सुख निरोगी काया माना गया है। निरोगी शरीर व मस्तिष्क हर किसी के लिए आवश्यक है। आत्म साक्षात्कार हेतु प्रयासरत कई साधक बीमार शरीर के कारण प्रगति नहीं कर पाते हैं। जिस प्रकार संगीत एक उपासना का तरीका है। उसी प्रकार का योग शास्त्र जीवन का मिल है। यदि शरीर स्वस्थ रहे तो हम जीवन का आनंद ले सकते हैं।संगीत में रियाज के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। योग शास्त्र हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक है। मन की, मस्तिष्क की एकाग्रता, प्रसन्नचित्त व्यक्तित्व योग शास्त्र की देन है।संगीत में स्वरों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है, पर योग शास्त्र में आसन व मुद्राओं पर जोर दिया जाता है। दोनों में ही स्वर व मुद्रा की श्रेष्ठता से आनंद और स्वास्थ्य पाया जा सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो दोनों शास्त्र एक-दूसरे के पूरक हैं।

संगीत साधना फिर चाहे गायन हो, वादन हो, कलाकार को एक ही मुद्रा में घंटों बैठे रहना पड़ता है। उसी तरह से योग में भी एक अवस्था में बैठना आवश्यक है। संगीत में एक ही स्थान पर साधना करने के लिए शरीर, मन व मस्तिष्क पूर्ण स्वस्थ होना चाहिए। इसके लिए योग सर्वश्रेष्ठ है। योग से शरीर, मन, मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। मनुष्य एकाग्र रहता है व प्रसन्न मन से काम करता है। विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा यह सिद्ध हो चुका है कि संगीत साधना व योग साधना दोनों से मनुष्य के जीवन में शक्ति का विकास होता है। अतः कहा जा सकता है कि शरीर तथा मन को स्वस्थ्य, प्रफुल्लित रखने के लिए योग शास्त्र व संगीत शास्त्र दोनों समान रूप से आवश्यक है। दोनों से शरीर, मन, मस्तिष्क स्वस्थ रहता है, एकाग्रता रहती है। योग की तरह ही संगीत से तनाव भी दूर होता है। संगीत का असली आनंद सड़क पर, बगीचे में, बरामदे में, छत पर सुबह, शाम घूमते हुए उठाना चाहिए। रात में सोने से 2 घंटे पहले सुपाच्य भोजन करना चाहिए और दिन में कम से कम एक बार दिल खोलकर हंसना चाहिए।

बरतें सावधानी

गर्भ–निरोधक का कोई भी उपाय करने से पहले डॉक्टर से दवाओं के असर, इनके असफल होने की संभावना और गर्भाशय से बाहर गर्भ धारण की संभावनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी प्राप्त कर लें। डॉक्टर की सलाह पर ही आप अपने लिए सही विकल्प चुनें।

अनचाही प्रेग्नेंसी रोकने खाएं गर्भ-निरोधक टैबलेट्स

किसी नन्हीं जान को धरती पर लाने का निर्णय आज के दौर में सोचा-समझा होना चाहिए। सोचिए! न चाहते हुए अगर कभी आपको कंसीव करना पड़े, तो आप उस स्थिति में क्या करेंगी? आपके पास दो ही रास्ते होंगे। या तो आप अनचाही प्रेग्नेंसी को स्वीकार करें या फिर अबॉर्शन करवाएं। अबॉर्शन यानी गर्भपात इतना आसान भी नहीं होगा। इसमें शारीरिक बल्कि मानसिक पीड़ा से भी आपको गुजरना पड़ता है। यह आपकी जान के लिए खतरा भी बन सकता है। इससे बेहतर तो यही होगा कि आप पहले से सही प्रोटेक्शन लें ताकि इस तरह की समस्या आपकी जिंदगी में आए ही नहीं। जी हां, हम बात कर रहे हैं कॉन्ट्रासेप्टिव यानी गर्भ-निरोधक उपायों की।

अब आपके मन में यह सवाल भी उठता होगा कि गर्भ-निरोधक के लिए गोली सही है या फिर इंजेक्शन। आपका सवाल जायज ही है, विशेषकर तक जब बाजार में कई सारे विकल्प हों। आपको यहां हम कुछ विकल्पों के बारे में बता रहे हैं:

आई पिल्स: अनचाही प्रेग्नेंसी को रोकने का सबसे सटीक उपाय है इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स, जैसे कि आई पिल। यह पिल्स असुरक्षित सेक्स या किसी अन्य कॉन्ट्रोसेप्टिव के नाकाम होने के बाद अनचाही प्रेगनेन्सी को रोकने का एक सुरक्षित और सरल तरीका है। यह तीन तरीके से काम करती है: पहला यह ओवरी से निकलने वाले एग्स को बाहर आने से रोकती है।

दूसरा, अगर कोई एग बाहर आ गया है, तो ये स्पर्म को उसे फर्टिलाइज करने से रोकती है और तीसरा, अगर एग पहले ही फर्टिलाइज हो चुका है, तो ये उसे गर्भाशय से जुड़ने से रोकती है। लेकिन यह तभी सफल होता है, जब इसे असुरक्षित सेक्स के बाद जल्द-से-जल्द, यानी 72 घंटों के भीतर ले लिया जाए।जितनी जल्द आप इसका इस्तेमाल करेंगी, उतना ही ज्यादा असरदार सिद्ध होगा। यह विकल्प सुरक्षित तो है, लेकिन रेग्युलर बर्थ कंट्रोल के तौर पर इसका लगातार प्रयोग करना ठीक नहीं है। इसे एक महीने में एक से ज्यादा बार इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसे एक इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव के तौर पर ही इस्तेमाल करें। ये इमरजेंसी पिल्स आपको अबॉर्शन के शारीरिक व मानसिक कष्ट से तो बचाती ही है, हॉस्टिपल के भागदौड़ और खर्चों से भी छुटकारा दिलाती है।

ये भी हो सकते है विकल्प

गर्भनिरोधक गोलियां- गर्भनिरोधक गोलियां जिन्हें सामान्यतः 'पिल्स' कहा जाता है, ओस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टोजेन का सम्मिलित रूप हैं। गर्भनिरोधक गोलियों के नियमित इस्तेमाल से पीरियड्स कम पीड़ादायक और नियमित हो जाता है। हालांकि कुछ महिलाओं को गर्भनिरोधक गोलियों के लगातार इस्तेमाल से सिर दर्द, थकावट, त्वचा संबंधी परेशानियां आदि समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

मिनी पिल्स: गर्भनिरोधक गोलियों का एक विकसित रूप अब उपलब्ध है, जिसे मिनी पिल (प्रोजेस्टिन ओनली पिल्स) कहते हैं। यदि आप स्तनपान करवा रही हैं, तो यह शरीर में दूध बनने की प्रक्रिया को बदलती नहीं हैं। जब शरीर को पीओपी यानी मिनी पिल की आदत पड़ जाती है, तो इसका कुछ नकारात्मक असर भी दिखने लगता है, जिसमें सिर दर्द आदि प्रमुख है। सामान्यतः दो महीने के बाद ये परेशानियां खत्म हो जाती हैं, पर अगर यही लक्षण लंबे वक्त तक दिखें, तो डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

इन्ट्रा युटरीन डिवाइस (आईयूडा- यह टी अल्फाबेट की आकृति में छोटा-सा, प्लास्टिक का यंत्र है जिसके अंत में धागा लगा रहता है। गर्भधारण को रोकने के लिए आईयूडी को गर्भाशय के अंदर लगाया जाता है। इसमें कॉपर आईयूडी या कॉपर टी ज्यादा प्रचलन में है। इसमें प्लास्टिक ट्यूब के अंदर कॉपर की तार लगी रहती है। एक नई हारमोन कॉपर टी भी उपलब्ध है, जो सामान्य कॉपर टी ज्यादा प्रभावशाली होता है। कॉपर टी को आप पांच से दस साल के लिए लगवा सकती हैं। इन सब के अलावा इंजेक्शन, फीमेल कंडोम आदि भी गर्भनिरोधक के अन्य विकल्प हैं।

रोज खाएं आंवला

आंवला भले ही खट्टा और कसैला हो, पर यह पौष्टिक होता है। आयुर्वेद की अनेक दवाओं में आंवले का प्रयोग खूब किया जाता है। इसे त्रिदोष नाशक भी बताया गया है। यह शारीरिक दुर्बलता को दूर करके शरीर को हृष्ट-पुष्ट बनाता है। आंवले को आप चाहे जिस रूप में सेवन करें, इसकी पौष्टिकता कम नहीं होती है। अमृत आंवला के और भी हैं कई गुण:

सूखे आंवले का एक छोटा चम्मच चूर्ण सुबह-शाम छाछ के साथ खाने से बवासीर की समस्या ठीक होती है।

आंवले के चूर्ण में सेंधा नमक मिलाकर सरसों तेल के साथ मसूड़ों पर मलने से मसूड़ों से रक्त आना बंद हो जाता है। यदि कब्ज आदि की समस्या रहती हो, तो रात को सोते समय आंवले का एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ लेने से फायदा मिलता है।

आंवले के आधा चम्मच रस में 3 ग्राम पीपल का चूर्ण और दो चम्मच शहद मिलाकर सेवन करने से खांसी और दमा में आराम मिलता है।

एक चम्मच आंवले के रस में थोड़ा-सा शहद मिलाकर इसे चाटें। पित्त की समस्या दूर होती है। द्यबुढ़ापे में नित्य सुबह-शाम बिना कुछ खाए-पिए आंवले का मुरब्बा सेवन करे, तो व्यक्ति दीर्घजीवी होता है।

तीन ग्राम आंवले के चूर्ण में 6 ग्राम शहद मिलाकर रोजाना एक बार 3द्द दिनों तक खाने से श्वेत प्रदर में लाभ होता है।

प्रतिदिन प्रातःकाल आंवले के मुरब्बे में चांदी का वर्क लगाकर खाने से उच्च रक्तचाप ठीक होता है।

सूखे आंवले तथा जामुन की गुठली दोनों को समभाग लेकर चूर्ण बना लें। प्रतिदिन प्रातःकाल बासी मुंह 7 ग्राम चूर्ण का सेवन गाय के दूध के साथ करने से मधुमेह ठीक हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान यदि किसी महिला को वमन की शिकायत हो, तो आंवले का मुरब्बा खाएं।

आंवला और आम की गुठली दोनों को समान मात्रा में पीसकर बालों में लेप करने से सफेद बाल काले, घने, मुलायम तथा चमकदार हो जाते हैं।

यूं रखें दांतों को स्वस्थ

यह सही है कि दांत के दर्द का इलाज महंगा होता है लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए और कुछ आदतें डाल ली जाएं तो आप लंबे समय तक दांतो के डॉक्टर के पास जाने से बच सकते है क्योकि डेंटिस्ट के पास लगातार जाना किसी सिरदर्द से कम नही है। यहां पेश है ऐसे ही 10 खास तरीके जिन्हें आजमा कर आप चमकती मुस्कान पा सकते है।

1. दिन में कम से कम आठ से दस ग्लास पानी पिएं। जितना पानी आप पिएंगें उतना ही आपके दांत साफ होंगें। इसके अलावा यह चाय, कॉफी, शराब, सोडा आदि के दागों को भी दांतों से मिटाने में कारगर साबित होगा।
2. अपने खाने में फल और सब्जी शामिल करें। सेब, खीरा, गाजर आपके दांतों को प्राकृतिक रूप से साफ करते हैं। यह आपके दांतों में फंसे खाने को भी निकालते हैं और मसूड़ों की समस्या दूर होती है।
3. खाने के बाद पनीर का टुकड़ा खाने से आपके दांत चमकदार रहते हैं।
4. च्यूइंगम खाने से सलाइवा का निर्माण होता है जो आपके दांतों से प्लाक एसिड को साफ करता है। साथ ही आपके दांतों के इनैमल को मजबूत बनता है।

5. जूस और सोडा पीने के बाद ब्रश नहीं करना चाहिए। हो सके तो कॉफी और वाइन स्ट्रॉ से पिएं। इससे इनका सीधा संपर्क आपके दांतों से नहीं हो पाएगा और आपके दांत हमेशा चमकते रहेंगें।
6. हमेशा सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। अगर आप सख्त ब्रश का इस्तेमाल करते हैं तो उसे कुछ देर गर्म पानी मे डुबोकर फिर ब्रश करें।
7. चॉकलेट व कैंडी बार भी आपके दांतों के लिए नुकसानदेह हैं। इनकी जगह बादाम, वेजमाइट क्रैकर्स चीज के साथ दही और ताजा फल आदि खाना चाहिए।
8. दांतों के साथ ही जीभ की सफाई भी जरूरी है। टंग क्लीनर का इस्तेमाल रोजाना करें। यह आपके दांतों को हाईजीनिक बनाएं रखता है, साथ ही मुंह से आने वाली बदबू को भी दूर करता है।
9. चीनी और स्टॉर्च का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। यह बैक्टीरिया पैदा करते हैं जो आपके दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं।
10. खाने के बाद दांतों को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड से साफ करना चाहिए, ताकि आपके दांतों से बैक्टीरिया दूर हों और वे सुंदर दिखें। मगर हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि हाइड्रोजन पेरॉक्साइड को निगलना नहीं चाहिए। इससे सिर्फ गरारे करने चाहिए।

भूखे रहकर न घटाए वजन

यदि आप सोचती है भूखे रहकर वजन घटाना सही है तो यह गलत है। भूखे रहने से न सिर्फ आपके शरीर को नुकसान पहुंचता है बल्कि यह भी हो सकता है कि एक समय बाद आपका वजन और बढ़ जाए।

इसलिए व्यायाम विशेषज्ञों से लेकर चिकित्सकों तक सभी संतुलित और पौष्टिक भोजन एवं एक्सरसाइज के साथ वजन घटाने की सलाह देते हैं न कि भूखे रहने की। बैलेंस डाइट आपके शरीर को सही मात्रा में ऊर्जा देने के अलावा क्रियाशील बनाए रखने में भी मदद करती है। इसलिए ब्रेकफास्ट से लेकर लंच और डिनर तक हर चीज आपके लिए महत्वपूर्ण है। वह भी वक्त पर तथा पौष्टिक तत्वों के साथ।

भूखे रहने से आपके शरीर में पौष्टिक तत्वों की कमी तो होती ही है, बल्कि आप डायबिटीज, उच्च रक्तचाप आदि जैसी कई जीवनशैली जनित बीमारियों के शिकार भी आसानी से बन सकते हैं।

आपकी मसल्स को स्वस्थ तथा क्रियाशील बने रहने के लिए रोज नियमित रूप से पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है। भूखे रहने से न केवल शरीर की मेटाबॉलिज्म रेट पर विपरीत असर पड़ता है बल्कि आपका शरीर और तेजी से फैट्स स्टोर करने लगता है। यही कारण है कि जो लोग भूखे रहकर वजन घटाना चाहते हैं वे जब नॉर्मल डाइट पर भी आते हैं तो उनका वजन पहले से कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

इसलिए अगर आप फिट रहना चाहते हैं या वजन घटाना चाहते हैं तो पेटभर कर संतुलित और पौष्टिक भोजन खाइए और नारियल के पानी में दूध से ज्यादा पोषक तत्व होते हैं क्योंकि इसमें कोलेस्ट्रोल और वसा की मात्रा नहीं है। नारियल पानी में बेहद गुण पाए जाते हैं। इसमें बहुत ज्यादा मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट और पोटेशियम पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर और दिल की गतिविधियों को दुरुस्त करने में सहयोगी होता है।

नेशनल लोक अदालत 14 सितम्बर को

बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों के होंगे समझौते

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में 14 सितम्बर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम-2003 धारा-135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा-135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्न-दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर-घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 14 सितम्बर 2024 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

न्यूज ट्रैक

कलेक्ट्रेट में शिविर लगाकर बांटी गई डेंगू प्रतिरोधक दवाईयाँ

शिविर से 491 लोग लाभान्वित

ग्वालियर। ए/ए डेंगू एवं मलेरिया के प्रति रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता विकसित करने के लिये बुधवार को कलेक्ट्रेट में शिविर आयोजित कर दवाएँ वितरित की गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर कलेक्ट्रेट के जन-सुनवाई कक्ष में आयोजित हुए इस शिविर में खासतौर पर डेंगू रोग प्रतिरोधक होम्योपैथिक औषधि यूपेटोरियम पर्फ-200 वितरित की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंगल सिंह यादव ने बताया कि शिविर में 491 लोगों को यूपेटोरियम पर्फ-200 सहित अन्य दवाईयाँ निःशुल्क रूप से उपलब्ध कराई गईं। साथ ही आयुष अधिकारियों द्वारा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। शिविर के आयोजन में डॉ. आकाश चिलात्रे, डॉ. प्रेमलता कुशवाह, श्री विकास गुप्ता व श्री देवेन्द्र अम्बे का विशेष सहयोग रहा।

अत्यधिक वर्षा के कारण 12 सितंबर को जिले के स्कूलों व आंगनबाड़ियों में छुट्टी

केजी व नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिये की गई है स्कूलों में छुट्टी आंगनबाड़ियों व स्कूलों के स्टाफ को अपने कर्तव्य पर उपस्थित रहना होगा

ग्वालियर। जिले में हो रही अत्यधिक वर्षा को ध्यान में रखकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार 12 सितंबर को आंगनबाड़ियों एवं नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए जिले के सभी स्कूलो में छुट्टी घोषित कर दी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस संबंध में अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि यह छुट्टी केवल बच्चों के लिए रहेगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका तथा स्कूलों के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों सहित समस्त स्टाफ को अपने कर्तव्य पर उपस्थित रहना होगा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिले के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय व निजी विद्यालयों में केजी व नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिये छुट्टी रहेगी।

खनिज विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर जब्त किए दो डम्फर व एक ट्रेक्टरः ट्रॉली

जिले में अवैध परिवहन रोकने के लिये रात्रिकाल में भी हो रही है छापामार कार्रवाई

ग्वालियर। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ कार्रवाई जारी है। जिला प्रशासन के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम द्वारा रात्रिकाल में भी छापामार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में मंगलवार की रात बिलौआ तिराहे पर खनिज विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से एक ट्रेक्टर-ट्रॉली व दो डम्फर जब्त किए हैं। प्रभारी जिला खनिज अधिकारी श्री प्रदीप भूरिया ने बताया कि ट्रेक्टर ट्रॉली में अवैध रूप से रेत परिवहन किया जा रहा था। इसी तरह जब्त किए गए दोनों डम्फर में अवैध रूप से गिट्टी भरी पाई गई। इन वाहनों को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। साथ ही इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

एमआईटीएस में श्री गणेश की पूजा अर्चना की

ग्वालियर। माधव इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलोजी एंड साइंस (एमआईटीएस)डीम्ड विद्यवविद्यालय में गजानन पोपली ने अपनी धर्मपत्नी के साथ भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कन्नौद पुलिस ने नेशनल हाईवे के गड्ढे स्वयं फावड़ा चलाकर भरे, जिम्मेदार उदासीन

देवास। क्षेत्र में लगातार बारिश होने से सड़कों पर जमकर कीचड़ पसरा हुआ है। सड़क में जगह जगह बड़े जानलेवा गड्ढे भी हो गए है। इधर इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे पर कन्नौद में नेमावर रोड स्थित नर्मदा कॉलोनी के पास रोड पर बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए। जो राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने हुए है। इन गड्ढो में कई वाहन फंसकर खराब हुए है तो कई वाहन चालक दुर्घनाग्रस्त हुए है। अब तक पर्याप्त बारिश हो चुकी है। और लगातार बारिश होने से सड़क पर तालाब जैसी स्थिति बन गई। सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई। दिनभर करीब इस मार्ग से छोटे-बड़े करके हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। वाहन चालकों को रोड पर वाहन चलाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विशाल गड्ढों से निकालना बहुत मुश्किल हो गया है। लेकिन जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नही दिया।राहगीरों की समस्या देख कन्नौद थाना पुलिस के जवान यूनिफॉर्म में फावड़ा चलाकर गड्ढो को भर रहे है। पुलिस का मानवीय चेहरा देख किसी कार चालक ने वीडियो बना लिया है जो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है। फेसबुक कमेंट्स में लोग नेशनल हाइवे के जिम्मेदारों को कोस रहे है। और कन्नौद थाना प्रभारी तहजीब काजी और पुलिस जवानों की जमकर तारीफ कर रहे है।

रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय के कपिल देव प्रजापति को जर्नलिज्म विषय में मिली पीएचडी

जबलपुर। रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, मध्यप्रदेश के शोधार्थी कपिल देव प्रजापति को जर्नलिज्म (पत्रकारिता) विषय में पीएचडी अवार्ड हुई है। यह घोषणा आरडीवीवी के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा के आदेश पर कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने की। कपिल देव प्रजापति ने अपना पीएचडी शोध कार्य कृषि नवाचारों के लोकव्यापीकरण में संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन विषय पर प्रोफेसर (डॉ.) धीरेन्द्र पाठक के निर्देशन में पूरा किया है। उन्होंने कोरोनाकाल में डीडी किसान चैनल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट की गई जानकारियों का कृषि कार्य में इस्तेमाल व प्रभाव का अध्ययन किया है। कपिल देव प्रजापति मध्यप्रदेश के 'सागर' जिले की 'रहली' तहसील के निवासी कन्छेदी लाल प्रजापति (कृषक) व श्रीमति विमला प्रजापति (गृहणी) के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित की है। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त गुरूजनों रिश्तेदारों, मित्रों व परिचितों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। वर्तमान में कपिल देव प्रजापति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के रीवा परिसर में सहायक प्राध्यापक (अतिथि) के रूप में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। इससे पूर्व वे एमसीयू के खंडवा व ग्वालियर परिसर में अध्यापन कार्य कर चुके हैं। ज्ञातव्य है कि कपिल देव प्रजापति ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से जनसंचार विषय में 'एमफिल' किया है साथ ही वह पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में 'नेट' क्वालीफाइड भी हैं।

कैट महिला विंग के चुनाव संपन्नःडॉ.गरिमा वैश्य अध्यक्ष, सुभांगी चतुर्वेदी सचिव,मीनाक्षी गोयल कोषाध्यक्ष चुनी

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स (कैट) ग्वालियर की महिला विंग के निर्वाचन गत दिवस होटल रॉयल-इन में सम्पन्न हुये। कैट मध्यप्रदेश महिला विंग सदस्य श्रीमती कविता जैन,श्रीमती साधना शाडिल्य, श्रीमती रीनागांधी, श्रीमती निधि अग्रवाल की उपस्थिति में ग्वालियर महिला विंग का गठन किया गया। इसमें होटल विवेक कॉन्टीनेन्टल एमडी डॉ. गरिमा वैश्य को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया जबकि चार्टर एकाउन्टेंट सुभांगी चतुर्वेदी को महासचिव एवं मीनाक्षी गोयल को कोषाध्यक्ष के रूप मे चुना गया। कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष दीपक पमनानी,सचिव विवेक जैन सहित दिलीप पंजवानी, मुकेश अग्रवाल, मयूर गर्ग ने नई टीम के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये उन्हें बधाई प्रेषित की है। इसी प्रकार 28,29 सितम्बर को नई दिल्ली में कैट का राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया गया है जिसमें मध्यप्रदेश से अधिक से अधिक व्यापारिक प्रतिनिधियों को भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया हैं। डॉ. सौरभ खण्डेलवाल एवं श्रीमती रश्मि अग्रवाल इस आयोजन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों को सम्पर्ण मध्यप्रदेश में कोर्डिनेट कर रही हैं। कैट प्रदेश पदाधिकारियों ने व्यापारिक प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में नई दिल्ली सेमीनार में भाग लेने हेतु आग्रह किया है।

आईआईटीटीएम और एनएसडी रेपर्टरी का पांच दिवसीय नाट्य समागम 12 से

ग्वालियर, मध्य प्रदेश - भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तहत एक अग्रणी संस्थान, भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), पर्यटन शिक्षा में इसकी उत्कृष्टता और इसके फ्लैगशिप सांस्कृतिक त्योहार, दिशा के लिए प्रसिद्ध, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) रेपर्टरी कंपनी कल 12 से 16 सितंबर तक ग्वालियर में पहली बार नाटय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रंग मंडल के साठ वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती रंग षष्ठि के रूप में होगा। उक्त जानकारी बुधवार को पत्रकारों को देते हुये आईआईटीटीएम के निदेशक डा आलोक शर्मा एवं रंग मंडल के एक निर्देशक राजेश सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि यह ऐतिहासिक सहयोग है कि पहली बार 12 से 16 सितंबर 2024 तक आईआईटीटीएम ऑडिटोरियम, ग्वालियर में नाटय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदर्शन, मास्टरक्लास और कार्यशालाएं शामिल होंगी जो भारतीय रंगमंच की विविधता और समृद्धि का जश्न मनाती हैं। उन्होने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में शाम सात बजे से लगभग 20 वर्षो से खेला जा रहा नाटय ताज महल का टेंडर, अंधा युग, बांयेन, माई रे मैं का से कहूँ और राजेश सिंह द्वारा निर्देशित बाबूजी जैसे प्रतिष्ठित भारतीय नाटकों का प्रदर्शन होगा, साथ ही अभिनय, मंच डिजाइन, संगीत, प्रकाश और उत्पादन प्रबंधन पर सेमिनार, कार्यशालाएं और मास्टरक्लास भी शामिल होंगे। उन्होने बताया कि इस अवसर पर नाटय का शुभारंभ राजा मानसिंह कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के कुलगुरू साहित्य कुमार नाहर करेंगे। इस आयोजन में स्थानीय रंगमंच कलाकार और शिक्षार्थी भी भाग लेंगे, जिससे सभी

उपस्थित लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि पांचों दिन सुबह से सेमीनार मास्टर क्लास होंगी तथा 16 सितंबर को भारतीय ज्ञान परंपरा पाठन पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सचिव डा सच्चिदानंद जोशी भी अपने विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि रंग मंडल की स्थापना 1964 में की गई थी। तभी से रंग मंडल नाटक पर सेमीनार लोगों को जागरूक करने के साथ ही नाटक को बचाए रखने के पूरे प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर से शुरू हो रहे इस उत्सव में लगभग 45 कलाकार भाग लेंगे। राजेश सिंह ने बताया कि वह षष्ठि वर्ष में 23 अगस्त से 9 सितंबर तक दिल्ली में सेमीपार नाटक का मंचन कर रहे थे। अब ग्वालियर में कार्यक्रम करने के बाद बिहार, नेपाल , भूटान श्रीलंका सहित अन्य भारत के राज्यों में बडे एवं छोटे स्थानों पर नाटक का मंचन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए इंडियन आयल कारपोरेशन ने उन्हें एक बस मुहैया कराई है इसमें बैठकर वह देश एवं विदेश में जाकर नाटक का मंचन सेमीपार एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस अवसर पर पत्रकारों द्वारा पूछे प्रश्न का उत्तर देते हुये निदेशक डा आलोक शर्मा एवं राजेश सिंह ने बताया कि एनएसडी से कई मूर्धन्य कलाकार निकले हैं। इसमें बालीवुड के कई नाम भी है। एक अन्य प्रश्न कि युवाओं को क्या कहेंगे के जबाब में उन्होंने कहा कि यह युवाओं को प्रेरित करने के लिए है। युवाओं को भी आगे बढकर नाटकों के प्रति आकर्षण बढाना चाहिये। एक अन्य प्रश्न के नाटक संस्कृति समाप्त होती जा रही है के उत्तर में उन्होंने कहा कि हां चुनिंदा लोग नाटक देखने जा रहे हैं। जबकि एनएसडी में कई नामचीन सितारे रहे है। उन्होने कहा कि आजकल की चकाचैंध की दुनियां में लोग अपने बच्चों को नाटक की तरफ प्रेरित नहीं करते हैं। ऐसे पालकों की संख्या एक प्रतिशत भी नहीं है जो अपने बच्चों को नाटक या अन्य कला की ओर प्रेरित करें। इस अवसर पर आईआईटीटीएम के नोडल आफीसर सौरभ दीक्षित, मीडिया प्रमुख डा सीएस बरूआ, श्री अनिल जी आदि मौजूद थे।

ग्वालियर में 24 घंटे में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश

ग्वालियर। ग्वालियर अंचल में मानसून सिस्टम सक्रिय होने की वजह से बुधवार को सुबह से ही झमाझम बारिश हो रही है। इसके चलते दिन का तापमान बीते दिन की अपेक्षा 8.7 अंक घट गया। वहीं 24 घंटे से भी कम समय में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश हो गई है और सीजनल बारिश करीब 900 मिलीमीटर हो गई है। इसके साथ ही दूसरी साल जाकर तिघरा बांध के लबालब होने के बाद सातों गेट खोलना प? गए हैं।

उधर जोरदार बारिश होने की वजह से प्रशासन व शिक्षा विभाग ने नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के स्कूल में आंगनबा?ियों की 1 दिन की छुट्टी कर दी है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने आज और कल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्वालियर में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके चलते जोरदार बारिश हो रही है। इतनी बारिश बीते साल नहीं हुई थी। स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बुधवार के सुबह से बिना थमे

बारिश का सिलसिला जारी है, जो बुधवार की रात को भी थमने का नाम नहीं लिया और दिनभर भगवान सूर्य के भी दर्शन नहीं हो सके। आखिर दिन का तापमान घटकर 26.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। उल्लेखनीय है कि इतना तापमान रात का दर्ज हुआ था यानि की रात व दिन के तापमान में केवल 1.6 अंक का अंतर रह गया। बीते दिन मंगलवार को दिन का तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि बुधवार को 8.7 अंक घटकर 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस माइंस में आका गया। इस तरह बीते दिन मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि बुधवार को 1.2 अंक घटकर 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम रहा। बुधवार को सुबह व शाम की आद्रता 100 प्रतिशत दर्ज हुई व सुबह 8.30 बजे तक 32 मिली मीटर बारिश हुई जबकि बुधवार की शाम 5.30 बजे तक 59.7 मिली मीटर बारिश और हो गई। लगभग 24 घंटे में 100 मिली मीटर बारिश हुई है। इसके साथ ही इस सीजन की बारिश का आंक?ा ब?कर लगभग 900 मिली मीटर हो गया है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478